घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 207- शुक्रवार 29 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सीबीएसई विवाद के लिए धर्मेंद्र प्रधान जिम्मेदार : राहुल गांधी

नई दिल्ली,28 मई 2026। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर विवाद के लिए सीधे तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जिम्मेदार ठहराया है। राहुल ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस मामले की चाहे जांच की गई हो या न की गई हो, दोनों ही स्थितियों में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। यदि प्रधानमंत्री को विद्यार्थियों की चिंता होती तो वे मंत्री को बहुत पहले ही पद से हटा देते। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने धर्मेंद्र प्रधान के लगातार चुनावी हार की कुंठा वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रधान चाहे उन पर जितना भी हमला करें,इससे 18.5 लाख विद्यार्थियों के लिए जवाब मांगना बंद नहीं करेंगे। राहुल ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली का ठेका 'सीओएमपीईटी' कंपनी को दिए जाने पर सवाल उठाया, जो पहले ग्लोबेरेना नाम से विवादों में रही है। उन्होंने पूछा- यह किसके आदेश पर हुआ, कोई पृष्ठभूमि जांच क्यों नहीं की गई और कंपनी प्रबंधन का सरकार से क्या संबंध है।

पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र का निधन 91 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

भोपाल,28 मई 2026। प्रसिद्ध उर्दू शायर, आधुनिक गजल के उस्ताद और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. बशीर बद्र का लंबी बीमारी के बाद भोपाल में 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके इंतकाल से उर्दू शायरी के एक सुनहरे दौर का अंत हो गया है। डॉ. बद्र एक जमाने में मेरठ के साहित्यिक आयोजनों की शान हुआ करते थे। वे मेरठ कॉलेज के उर्दू विभाग में प्रोफेसर भी थे और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय थे। उन्होंने देश-विदेश के मुशायरों में अपनी शायरी से खूब वाहवाही बटौरी। 80 के दशक तक वे देश के बड़े शायरों में शुमार हो चुके थे। लेकिन वर्ष 1987 के भीषण दंगों में जब दंगाइयों ने मेरठ स्थित उनके आवास विकास कॉलोनी के एमआईजी मकान को भी नहीं बख्शा, तब उन्होंने हमेशा के लिए अपने शहर मेरठ को छोड़ दिया।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने दिया इस्तीफा

डीके शिवकुमार होगें अगले मुख्यमंत्री,राज्यसभा नहीं जाएंगे सिद्धारमैया

बेंगलुरु,28 मई 2026। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बेंगलुरु में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि पार्टी हाईकमान जब भी कहेगा, वे पद छोड़ देंगे। सिद्धारमैया ने कहा कि बुधवार को हाईकमान ने इस्तीफा देने के लिए कहा और आज उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया। सिद्धारमैया ने बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल थावरचंद गहलोत के सचिव को सौंपा है। राज्यपाल फिलहाल पारिवारिक कारणों से बेंगलुरु से बाहर बताए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को नया मुख्यमंत्री बना दिया गया है। राजनीतिक हलकों में पहले से ही डीके शिवकुमार का नाम लगभग तय माना जा रहा था। इससे पहले सिद्धारमैया ने अपने आवास पर मंत्रियों के साथ बैठक कर फैसले की जानकारी दी। बैठक के दौरान भावुक दृश्य भी देखने को मिला, जब डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छुए और दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया। इसे कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन के दौरान एकजुटता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। वहीं राज्य सरकार में मंत्री एच.के. पाटिल ने संकेत दिए कि डीके शिवकुमार के नाम पर सहमति बन चुकी है और वही कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री होंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों और संगठनात्मक संतुलन को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव कर रही है। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद अब पूरे देश की नजर कांग्रेस नेतृत्व के अगले फैसले पर टिकी हुई है।

अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए सिद्धारमैया भावुक हो गए। उन्होंने कहा, 'मैं गांव से आया हुआ व्यक्ति हूं। कभी नहीं सोचा था कि विधायक या मुख्यमंत्री बनूंगा। राजनीति में आना एक संयोग था। मेरे परिवार में कोई भी राजनीति में नहीं था।' उन्होंने कहा, 'राजनीति में आने के बाद से ही मैं बुद्ध, बसवन्ना, डॉ. आंबेडकर और महात्मा गांधी के विचारों में विश्वास रखता हूं। संविधान ही हमारा धर्म है और मतदाता हमारे आराध्य हैं।' समाज में समानता की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'कुवेंपु के सपने के अनुसार समाज शांति का बगीचा बनना चाहिए। सभी को समान अवसर मिलना जरूरी है। अवसरों की कमी ही असमानता को जन्म देती है।' अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि वर्ष 2013 में किए गए 165 वादों में से 158 को पूरा किया गया। 2023 में घोषित पांच गारंटी योजनाओं को भी सफलतापूर्वक लागू किया गया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष ने प्रचार किया था कि गारंटी योजनाओं से राज्य दिवालिया हो जाएगा,लेकिन आज कर्नाटक प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश में शीर्ष स्थान पर है। सिद्धारमैया ने कहा कि मैं कभी सत्ता या धन के पीछे नहीं भागा। मेरा लगभग 50 वर्षों का राजनीतिक जीवन खुली किताब की तरह है। संविधान के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि अगर संविधान नहीं होता तो मैं शिक्षित नहीं बन पाता, न ही किसी पद तक पहुंच पाता। शायद मैं भेड़ें चरा रहा होता। मेरे माता-पिता अशिक्षित थे। उन्होंने कहा कि संविधान पर कोई भी हमला करेगा तो मैं उसके खिलाफ लड़ूंगा। अंतिम सांस तक सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ संघर्ष जारी रखूंगा।

राज्यसभा नहीं जाएंगे सिद्धारमैया

राज्यसभा जाने के प्रस्ताव का खुलासा करते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि मुझे राज्यसभा जाने का अवसर मिला था, लेकिन मैंने विनम्रतापूर्वक उसे ठुकरा दिया। राष्ट्रीय राजनीति से अधिक मैं राज्य की राजनीति में सक्रिय रहना चाहता हूं। जब तक जनता चुनेगी, मैं उनके लिए काम करता रहूंगा।

कावेरी निवास में भावुक हुई नाश्ता बैठक

अपने इस्तीफे की घोषणा से पहले मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'कावेरी' में आयोजित नाश्ता बैठक कई भावुक पलों की गवाह बनी। सत्ता हस्तांतरण की चर्चाओं के बीच नेताओं ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। बैठक में मंत्री सतीश जारकीहोली, एमबी पाटिल, ईश्वर खंड्रे, संतोष लाड, प्रियंक खड़गे, रामलिंगा रेड्डी, लक्ष्मी हेब्बालकर सहित कई मंत्री और विधायक मौजूद रहे। इसी दौरान सिद्धारमैया के इस्तीफे की घोषणा से भावुक हुए मंत्री संतोष लाड मीडिया से बात किए बिना ही आंखों में आंसू लिए वहां से रवाना हो गए।

पूर्व सरपंच मां-बेटे सहित 4 लोगों की जिंदा जलाकर हत्या

स्कॉर्पियो में पीछे की सीट पर मिली तीन लाश,महिला की बॉडी खेत में पड़ी थी

अजमेर,28 मई 2026। बोराडा थाना क्षेत्र के श्रीरामपुरा गांव में गुरुवार सुबह स्कॉर्पियो में चार जले हुए शव मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि पूर्व सरपंच एवं कांग्रेस नेता रामसिंह चौधरी की पहली पत्नी सुनीता, बेटी और बेटे ने मिलकर चारों की हत्या की और बाद में शवों को स्कॉर्पियो में डालकर आग लगा दी। हत्याकांड में पूर्व सरपंच रामसिंह चौधरी,उनकी दूसरी पत्नी एवं जिला परिषद सदस्य सुरज्ञान देवी, पूर्व सरपंच मां पूसी देवी तथा भांजी महिमा चौधरी की मौत हुई। तीन शव स्कॉर्पियो में मिले, जबकि सुरज्ञान देवी गंभीर हालत में खेत के पास मिलीं, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया,जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि पुलिस ने पहली पत्नी सुनीता को गिरफ्तार कर लिया है,जबकि बेटी और नाबालिग बेटे को डिटेन किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि रामसिंह चौधरी दूसरी शादी के बाद पहली पत्नी और बच्चों को लगातार प्रताड़ित करता था। शराब के नशे में मारपीट और मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर तीनों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार बुधवार रात घर में खेत में काम आने वाले धारदार हथियार से चारों की हत्या की गई। इसके बाद बेटे ने ट्रैक्टर से डीजल निकाला और शवों को स्कॉर्पियो में डालकर घर से करीब 500 मीटर दूर ले जाकर आग लगा दी, ताकि मामला हादसा प्रतीत हो। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब गांव के लोगों को घर में खून के धब्बे और धुला हुआ आंगन संदिग्ध लगा। पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके से खून के निशान, माचिस की डिब्बी और डीजल से जुड़े साक्ष्य जुटाए। इसके बाद पुलिस ने सुनीता, बेटी और बेटे से पूछताछ की, जिसमें उन्होंने हत्या करना स्वीकार कर लिया।

घटना की सूचना मिलते ही बोराडा,अराई सहित कई थानों की पुलिस,एफएसएल टीम,डॉग स्क्वायड और साइबर टीम मौके पर पहुंची। विधायक विकास चौधरी, डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के पुत्र राजेश चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे।

आसाराम ने जोधपुर सेंट्रल जेल में किया सरेंडर

जोधपुर,28 मई 2026। राजस्थान उच्च न्यायालय के फैसले के बाद आसाराम ने जोधपुर सेंट्रल जेल पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया है। आसाराम के जोधपुर आने की सूचना पर एयरपोर्ट पर उसके समर्थकों की भीड़ लग गई। इस दौरान पुलिस को आसाराम को एयरपोर्ट से निकाल कर गाड़ी में बैठाने के लिए कड़ी मशक्कत हुई। आसाराम जोधपुर एयरपोर्ट से सीधे पाल गांव स्थित अपने आश्रम पहुंचा। वहां से एम्स गया और जांच के बाद सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण कर दिया। बुधवार को उच्च न्यायालय की जोधपुर मुख्यपीठ ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आसाराम की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए अंतरिम जमानत रद्द कर दी थी। कोर्ट की ओर से तत्काल गिरफ्तारी वारंट जारी करने के आदेश के बाद आसाराम बुधवार देर शाम ही हरिद्वार से दिल्ली के लिए रवाना हो गया था। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने जब आसाराम की अपील खारिज करते हुए उसकी अंतरिम जमानत को रद्द किया।

चंद्रयान-2 ने भेजी बड़ी खुशखबरी : चंद्रमा की सतह के नीचे बर्फ मिलने के संकेत

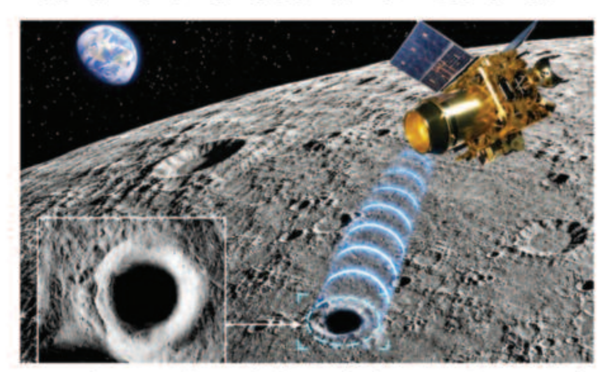

नई दिल्ली,28 मई 2026। भारत के चंद्र मिशन चंद्रयान-2 ने चांद को लेकर एक बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक कामयाबी हासिल की है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिले आंकड़ों के आधार पर वैज्ञानिकों को चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास बने कुछ बहुत गहरे गड्ढों (क्रेटरों) के नीचे पानी की बर्फ छिपी होने के पुख्ता सबूत मिले हैं। इस बड़ी खोज से आने वाले समय में इंसानी चंद्र मिशनों को बहुत मदद मिल सकती है। यह महत्वपूर्ण रिसर्च अहमदाबाद की 'फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी' के वैज्ञानिकों द्वारा की गई है। वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च के लिए चांद के दक्षिणी ध्रुव पर स्थित उन खास गड्ढों को चुना जहां अरबों सालों से सूरज की रोशनी की एक किरण भी नहीं पहुंची है। विज्ञान की भाषा में इन हिस्सों को 'परमानेंटली शैडोड रीजन' यानी हमेशा अंधेरे में रहने वाले क्षेत्र कहा जाता है। इन गड्ढों में सूरज की रोशनी न पड़ने के कारण यहां का तापमान माइनस 248 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। इतने भयंकर ठंडे तापमान की वजह से ही यहां सदियों से मौजूद बर्फ आज भी पूरी तरह सुरक्षित जमी हुई है इस ऐतिहासिक खोज को मुमकिन बनाने में चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर में लगे 'ड्यूल फ्रीक्वेंसी सिंथेटिक अपर्चर रडार' ने सबसे अहम भूमिका निभाई। यह एक बेहद शक्तिशाली और खास रडार है जो न सिर्फ चांद की ऊपरी सतह बल्कि उसकी गहरी परतों के भीतर भी देखने और उनका अध्ययन करने की ताकत रखता है। वैज्ञानिकों ने इस रडार से मिलने वाले सिग्नलों का बारीकी से अध्ययन किया और चांद पर ऐसे चार मुख्य गड्ढों की पहचान की जहां सतह के नीचे भारी मात्रा में बर्फ मौजूद होने की सबसे ज्यादा उम्मीद है। इस पूरे शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने एक बिल्कुल नई और अनोखी तकनीक का इस्तेमाल किया। अक्सर अंतरिक्ष विज्ञान में यह पहचानना मुश्किल होता है कि रडार से आने वाले सिग्नल किसी सामान्य चट्टान से टकराकर आ रहे हैं या फिर वहां वाकई बर्फ मौजूद है। इस उलझन को दूर करने के लिए वैज्ञानिकों ने 'वृत्ताकार ध्रुवीकरण अनुपात' और 'ध्रुवीकरण की डिग्री' नाम के दो विशेष पैमानों का सहारा लिया।

चलती ट्रेन में मिले नोटों की गड्डियों से भरा बैग देख उड़े होश,पुलिस ने जब्त किया 1.22 करोड़ रुपये

हैदराबाद,28 मई 2026। हैदराबाद में जीआरपी ने देवगिरी एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रहे एक व्यक्ति को शक और छानबीन के आधार पर पकड़ा। पूछताछ और तलाशी लेने के बाद तो सरकारी रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के तो होश फाख्ता हो गए। अमरावती के रहने वाले 40 साल के उस शख्स के पास से 1.22 करोड़ रुपये कैश मिले। पुलिस ने संदेह के आधार पर यात्री के लगेज की तलाशी ली और उसके पास से 1.22 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुई। देवगिरी एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रा कर रहे एक व्यक्ति के पास से 1,22,70,000 रुपये रेलवे सुरक्षा बल ने बरामद किए। यह नकदी मुंबई से ट्रेन के जरिए लाया जा रहा था। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस और आरपीएफ की टीम बोलारम और मलकाजगिरि रेलवे स्टेशनों के बीच मंगलवार को चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान टीम को एक 40 साल का व्यक्ति पर शक हुआ जो अपने साथ संदिग्ध हालत में बैग लेकर जाता दिखा। पुलिस को उसकी हरकतें अजीब लगने पर शक के आधार पर उसे रोककर पूछताछ शुरू कर दी। उसके बाद जब टीम ने उसके बैग की तलाशी ली तो 1.22 करोड़ रुपये कैश में मिले जिसे जब्त कर लिया गया। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि आरोपी महाराष्ट्र के अमरावती जिले का रहने वाला है। मुंबई के एक ज्वेलरी कारोबारी ने उसे ये नकदी सिकंदराबाद में मोंडा मार्केट इलाके में एक ज्वेलरी कारोबारी को देने के लिया दिया था।

राजधानी दिल्ली में ईद अल अजहा का त्योहार पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया

नई दिल्ली,28 मई 2026। राजधानी दिल्ली में ईद अल अजहा का त्योहार पूरी अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। सुबह-सुबह ईदगाह,मस्जिदों में ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई और इसके बाद जानवरों की कुर्बानी पेश की गई। इस मौके पर ईदगाहों और मस्जिदों से विश्व शांति, देश की तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गई। ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद में इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज़ अदा कराई। अपने विशेष संबोधन में उन्होंने ईद अल अजहा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नमाज को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन का धन्यवाद किया। उन्होंने मुसलमानों से ईद का पर्व मनाने में अपने पड़ोसियो का ख्याल रखने और साफ- सफाई का खास ख्याल रखने की अपील की। शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद अल अजहा की नमाज अदा कराई। इस अवसर पर अपने विशेष संबोधन में उन्होंने देश-दुनिया के ताजा हालात का जिक्र किया। उन्होंने विश्व में शांति और देश की तरक्की व खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की। रानी झांसी रोड स्थित ईदगाह में भी बड़ी तादाद में मुसलमानों ने नमाज अदा की। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया, दरगाह हजरत बख्तियार काकी में भी ईद की नमाज अदा की गई। जामिया मिलिया इस्लामिया और जामिया हमदर्द में भी ईद की नमाज का आयोजन किया गया जहां पर बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज में भाग लिया। सभी बड़े मुस्लिम संगठनों के मुख्यालयों में स्थित मस्जिदों से भी नमाज का एहतेमाम किया गया।

पीएमएवाई-जी के तहत 12 राज्यों को 10,021 करोड़ रुपये का फंड जारी

नई दिल्ली,28 मई 2026। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत 12 राज्यों को 10,021.42 करोड़ रुपये का फंड जारी किया। इस मौके पर केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी भी उपस्थित थे। जिन राज्यों को फंड की स्वीकृति जारी की गई उसमें- असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु एवं उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली तो अर्चना गुप्ता को हरियाणा की कमान,भाजपा ने चार राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए

नई दिल्ली,28 मई 2026। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को चार राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा की है। पार्टी ने वीरेंद्र सचदेवा के स्थान पर दिल्ली की कमान केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को सौंपी है। इसके अलावा भाजपा ने पंजाब, हरियाणा और त्रिपुरा के नए प्रदेश अध्यक्ष के नामों का ऐलान किया है। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने अधिसूचना जारी की है। अरुण सिंह ने अधिसूचना जारी करते हुए बताया, 'भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है। उपरोक्त नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी।' केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. अर्चना गुप्ता को हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है जबकि सरदार केवल सिंह ढिल्लो को पंजाब और अभिषेक देबरॉय को त्रिपुरा के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हर्ष मल्होत्रा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली से सांसद हैं। वे केंद्र सरकार में मंत्री पद संभाल रहे हैं। लंबे समय से संगठनात्मक राजनीति में सक्रिय मल्होत्रा ने दिल्ली भाजपा में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। वे जनसंपर्क, संगठन क्षमता और विकास से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका के लिए जाने जाते हैं। डॉ. अर्चना गुप्ता हरियाणा की सक्रिय भाजपा नेता और चिकित्सक हैं। संगठनात्मक राजनीति में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है।

ट्विशा शर्मा मौत मामले में रिटायर्ड जज सास गिरिबाला सिंह गिरफ्तार

भोपाल,28 मई 2026। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के चर्चित अभिनेत्री ट्विशा शर्मा मौत मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुरुवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए मृतका की सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, मप्र उच्च न्यायालय के अग्रिम जमानत निरस्त किए जाने के ठीक अगले दिन गुरुवार सुबह करीब सीबीआई के अधिकारी उनके भोपाल स्थित निवास पर पहुंच गए थे। घर के भीतर लगभग सात घंटे तक चली लंबी और कड़ी पूछताछ के बाद शाम 5:10 बजे सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई की टीम अब गिरिबाला सिंह को मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी में है। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे बागसेवनिया थाने के टीआई अमित सोनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कानूनी औपचारिकताओं और डॉक्टरी परीक्षण के बाद आरोपित पूर्व जज को अदालत में पेश किया जाएगा। इस हाई प्रोफाइल मामले में गिरफ्तारी को देखते हुए कटारा हिल्स और बागसेवनिया थानों का भारी पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है और घर के आसपास के रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। गिरफ्तारी से पहले गुरुवार को दिनभर चली कार्रवाई के दौरान सीबीआई की टीम ने डिजिटल फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाने पर विशेष जोर दिया। जांच दल ने गिरिबाला सिंह के पूरे घर और परिसर की हाई इंटेंसिटी थ्रीडी कैमरों के जरिए 360 डिग्री रिकॉर्डिंग की। इसके साथ ही आसपास की भौगोलिक स्थिति और लोकेशन को भी आधुनिक उपकरणों से स्कैन किया गया, ताकि तकनीकी रूप से यह सटीक अनुमान लगाया जा सके कि घटना वाला कमरा या हिस्सा किसी पड़ोसी मकान की छत, खिड़की या बालकनी से साफ दिखाई देता है या नहीं।

संपादकीय

शिखर पर महिलाओं के होने का मतलब

बंगाल में पराजय के बाद ममता बनर्जी मुश्किल में हैं। उनके सहयोगी ही उनके खिलाफ खड़े हो रहे हैं। ममता यह दिखा रही हैं कि किस तरह हर वक्त संविधान बचाने और लोकतंत्र की दुहाई देने वाले नेता चुनाव परिणाम अपने अनुकूल न आने के बाद किसी भी तरह के झूठ से परहेज नहीं करते। पता नहीं क्यों नेता यह मानकर बैठ जाते हैं कि कोई राज्य उनकी निजी जागीर है और वे हमेशा ही वहां बने रहेंगे? ममता की हार पर दो तरह के विमर्श चालू हैं। एक पक्ष कह रहा है कि उनकी हार उनकी पार्टी की गुंडागर्दी,तानाशाहीपूर्ण नीतियों,अवैध वसूली,भ्रष्टाचार तथा हिंदुओं की नाराजगी के कारण हुई। दूसरा पक्ष उनकी हार पर कह रहा है-देश से लोकतंत्र खत्म हो गया,फासिज्म आ गया आदि।

फासिज्म का राग अलापने वाले यह नहीं बताते कि आपातकाल के दिनों में या हिटलर,मुसोलिनी,माओ,स्टालिन,शी चिनफिंग,किम इल सुंग से किम इल जोंग आदि के शासनकाल में क्या वे इतना बोल सकते थे? डिजिटल मीडिया पर जो चाहे,लिख सकते थे। आपातकाल को इस लेखिका ने देखा है। जहां किसी को भी बिना किसी जांच के उठा लिया जाता था। फिर उसका पता न चलता था। आपातकाल को भी एक महिला नेता इंदिरा गांधी ने ही लगाया था। तब लोकतंत्र के बहुत से हिमायतियों को सांप सूंघ गया था। दूरदर्शन,रेडियो,अखबारों में बाकायदा सरकार के लोग बैठे रहते,जो हर खबर को देखते। तभी वह छप सकती थी या प्रसारित हो सकती थी।

मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं,उन्होंने राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति को वाकई बहुत सुधारा,लेकिन उन पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे। हालांकि वे साबित नहीं हुए। कुछ साल पहले ममता बनर्जी की तरह ही उन्होंने भी अपने भतीजे को अपना उत्तराधिकारी बना दिया। तमिलनाडु में जब जयललिता आईं तो उनकी परम मित्र शशिकला का बोलबाला हो गया था। जयललिता पर भी भ्रष्टाचार के खूब आरोप लगे। वह पहली मुख्यमंत्री थीं,जिन्हें इस पद पर रहते हुए जेल जाना पड़ा। शीला दीक्षित जब दिल्ली की मुख्यमंत्री थीं, तो निश्चित रूप से उन्होंने दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में बहुत योगदान दिया, लेकिन उन्हें भी भ्रष्टाचार के आरोपों से दो-चार होना पड़ा। उन्होंने भी अपने बेटे को आगे बढ़ाने की कोशिश की। पत्नी राबड़ी देवी को लालू प्रसाद यादव ने बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया था। उन पर भी जमीन के बदले नौकरी और आइआरसीटीसी घोटाले में लिप्त होने के आरोप लगे हैं। सुनवाई हो रही है। उनके उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव और मीसा भारती बन गए हैं।

आखिर ऐसा क्यों है कि शिखर पर पहुंचते ही कई नेत्रियों को वही रास्ता सुविधाजनक लगता है, जिसे चुनौती देकर वे सत्ता में आती हैं। अपने रिश्तेदारों के अलावा,उत्तराधिकारी के लिए इन्हें कोई और योग्य क्यों नहीं लगता? उन विचारों का कितना महत्व है,जो कहते हैं कि स्त्रियां ही दुनिया को नष्ट होने से बचा सकती हैं। वे भी इसी पितृसत्तात्मक समाज का हिस्सा हैं,इसलिए, जाने-अनजाने वे भी वही तौर-तरीके अपनाती हैं। तब फिर शिखर पर रहकर वे क्या बदलती हैं? कहावत है-एब्सोल्यूट पावर करप्ट्स एब्सोल्यूटली या हिंदी की कहावत है-काजर की कोठरी में कैसो ही सयानो जाय..। ये सच मालूम देती हैं। अक्सर कहा जाता है कि स्त्रियां यदि सत्ता के शिखर पर पहुंच जाएं,तो लोगों की तकदीर बदल सकती है,क्योंकि वे भ्रष्ट नहीं होतीं। वे पानी,सफाई, पोषण,स्कूल, सड़कों आदि को सुधारने की पहल करती हैं। बहुत सी ग्राम प्रधान स्त्रियों के बारे में छपता भी रहता है कि उन्होंने किस तरह अपने प्रयासों से गांवों की सूरत बदल दी। प्रायः हमारी तुलना दूसरे देशों से की जाती है कि वहां देखो, कितना अच्छा है,लेकिन अमेरिका में अपराधी न स्त्री होती है,न पुरुष,वह सिर्फ अपराधी होता है। वहां ऐसा कोई नियम नहीं कि स्त्री अपराधी को पुरुष पुलिस वाले नहीं पकड़ सकते। न ही भारत की तरह यह नियम है कि सूर्यास्त के बाद किसी स्त्री अपराधी को आमतौर पर नहीं पकड़ा जा सकता।

हीट वेव की गिरफ्त में भारत : तपती धरती,तपता जीवन

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़

तपते आसमान के नीचे सुलगता भारत

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में हैं। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है,जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बेते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य,अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान,घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है। मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गे (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है,जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी,वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं,वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं,जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं,जिससे'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है,जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव,गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे,वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009,2010,2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है,हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है,जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता है। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री

सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बे जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक,हृदयाघात,नसों में खून के थक्के जमने की आशंका,स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार,हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है,जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है,जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है,जो हृदय रोग, मधुमेह,उच्च रक्तचाप,गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आई एम डी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली,उत्तरप्रदेश,हरियाणा,पंजाब, राजस्थान,गुजरात,बिहार,झारखंड, पश्चिम बंगाल,ओडिशा,मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र,कर्नाटक,आंध्र प्रदेश,तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत,मध्य,पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली,शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट'कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी,अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं।

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना,बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना,समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है,जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण,स्वास्थ्य,खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है,उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल,अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है,वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है,जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है,जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ों लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा,तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

गोरखपुर की ऐतिहासिक धरा का एक सम्पूर्ण अध्याय है काहला ताम्रपत्र

दुर्गेश्वर राय,गोरखपुर,उत्तरप्रदेश.

समय के थपेड़ों और इतिहास के उतार-चढ़ाव को अपने सीने में दफन किए उत्तर प्रदेश का पूर्वांचल क्षेत्र संतों की तपोभूमि होने के साथ ही प्राचीन राजाओं और साम्राज्यों के वैभव का मूक गवाह रहा है। जब हम इतिहास के पन्नों को पलटते हैं, तो कभी-कभी मिट्टी के नीचे दबी एक छोटी सी वस्तु भी सदियों पुरानी ऐसी अनसुनी दास्तां बयाँ कर देती है जो पूरे साम्राज्य की दिशा और दशा को बदल देती है। गोरखपुर की धरती से प्राप्त काहला ताम्रपत्र भी अतीत का एक ऐसा ही चमचमाता हुआ पन्ना है, जिसने ग्यारहवीं शताब्दी में खोए एक शक्तिशाली राजवंश को भारतीय इतिहास के मंच पर लाकर खड़ा कर दिया।

इस पुरालेख की प्राप्ति की कहानी भी रोमांचक है। बात 15अगस्त, 1889 की है,जब सावन-भादों की रिमझिम फुहारों के बीच गोरखपुर जिले की बांसगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ऐतिहासिक धुरियापार परगना के काहला नामक गाँव में किसान शिवसेवक राय अपने खेत की जुताई कर रहे थे। अचानक उसके हल का फाल जमीन के नीचे किसी भारी धातु से टकराया। उत्सुकतावश जब उस स्थान की खुदाई की गई,तो मिट्टी की आगोश से तांबे की भारी प्लेट बाहर आई,जो एक मजबूत छल्ले से बंधी हुई थी। इस खोज ने पूरे क्षेत्र में कौतूहल पैदा कर दिया। जब यह सूचना तात्कालिक ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों और पुरातत्वविदों तक पहुँची,तो इस ऐतिहासिक धरोहर को तुरंत सरकारी संरक्षण में ले लिया गया। इसे जनवरी 1895 में डॉ. डब्ल्यू. होय द्वारा लखनऊ के प्रांतीय संग्रहालय को भेंट किया गया था। बाद में, दुनिया के विख्यात भाषाविद् और पुरालेखशास्त्री डॉ. एफ. कीलहॉर्न ने इस पर उत्कीर्ण प्राचीन लिपि को पढ़ा, इसका संपादन किया और प्रतिष्ठित शोध पत्रिका एपिटाफिया इंडिका के सातवें वॉल्यूम में इसे सप्रमाण प्रकाशित कर संपूर्ण विश्व को गोरखपुर के इस ऐतिहासिक वैभव से परिचित कराया।

इस अमर और ऐतिहासिक दस्तावेज को सरयूपार (गोरखपुर क्षेत्र) में शासन करने वाले कलचुरी राजवंश की एक अत्यंत प्रतापी,पराक्रमी और स्वतंत्र शाखा के राजा सोढदेव द्वारा उत्कीर्ण करवाया गया था। इस ताम्रपत्र को जारी करने के लिए राजा सोढदेव ने विक्रम संवत 1092 के चैत्र मास की पूर्णिमा का अत्यंत पवित्र दिन चुना था, जो आधुनिक काल गणना के अनुसार वर्ष 1035 ईस्वी बैठता है। यह वह दौर था जब कन्नौज के प्रतिहार साम्राज्य की केंद्रीय सत्ता पूरी तरह बिखर चुकी थी और चारों तरफ राजनीतिक अस्थिरता का माहौल था। ऐसे संक्रमण काल में राजा सोढदेव ने अपनी संप्रभुता, अखंडता और अपने राज्य की सीमाओं को स्थायित्व व वैधानिकता प्रदान करने के लिए इस राजकीय घोषणा पत्र को तांबे की चादर पर हमेशा-हमेशा के लिए दर्ज करवा दिया।

यह ताम्रपत्र प्राचीन भारतीय कारीगरी का एक बेजोड़ नमूना है। पुरालेखशास्त्री डॉ. एफ. कीलहॉर्न के अनुसार यह एक एकल ताम्रपत्र है, जो लगभग एक फीट सवा पांच इंच चौड़ा और एक फीट पौन इंच ऊँचा है,और इसके दोनों ओर अक्षर उत्कीर्ण हैं। इसके निचले हिस्से के मध्य में एक छेद है,जिसमें एक गोलाकार मुहर लगी है। इस मुहर पर उभरी हुई आकृति में एक बैल (नंदी) दाहिनी ओर मुँह किए बैठा है। उसके नीचे नागरी लिपि में 'श्रीमत-सोढदेवस्य' अंकित है और उसके नीचे दाहिनी ओर इशारा करता हुआ एक तीर का निशान है। इसकी भाषा संस्कृत है,लेकिन कुछ ब्राह्मणों के नाम स्थानीय लोकभाषा के रूपों में लिखे गए हैं। पंक्तियाँ 1 से 32 तक तीस श्लोकों में वंशावली का विवरण है, और पंक्तियाँ 51 से 57 तक दस आशीर्वाद और अभिशाप संबंधी श्लोक अंकित हैं।

इस ताम्रपत्र के भीतर छिपे ऐतिहासिक विवरणों को मुख्य रूप से तीन महत्वपूर्ण कड़ियों में समझा जा सकता है। इसके पहले भाग में कलचुरी राजवंश की इस क्षेत्रीय शाखा की वंशावली का वर्णन मिलता है। इसमें वंश के आदि पुरुष लक्ष्मणराज से लेकर राजपुत्र,शिविराज और राजा गुणाम्बोधिदेव प्रथम के पराक्रमों की गाथा दर्ज है। ताम्रपत्र बहुत ही गौरव के साथ इतिहास की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना को उजागर करता है कि नौवीं शताब्दी (लगभग 856 ईस्वी) में इस वंश के महान राजा गुणाम्बोधिदेव प्रथम ने तात्कालिक गुर्जर-प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज के पक्ष में खड़े होकर बंगाल के पाल राजाओं के विरुद्ध एक भयंकर युद्ध लड़ा था। उनकी इस अद्वितीय वीरता से प्रसन्न होकर सम्राट मिहिर भोज ने उन्हें इस क्षेत्र की भूमि और विशेष अधिकार उपहार में दिए थे, जिसने आगे चलकर गोरखपुर में कलचुरी वंश की एक शक्तिशाली और स्वतंत्र सत्ता की नींव रखी। वंशावली के इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए राजा सोढदेव द्वारा अपनी पूर्ण स्वतंत्रता की घोषणा का सिंहनाद दर्ज है।

ताम्रपत्र के दूसरे भाग में एक महत्वपूर्ण भूमि दान का संपूर्ण विवरण मिलता है। इसमें उल्लेख है कि राजा सोढदेव ने महाशिवरात्रि और सूर्य ग्रहण के पुण्यकाल पर सरयू (घाघरा) अथवा कुआनो नदी के पवित्र जल में स्नान करने के पश्चात 14 ब्राह्मणों को भूमि अर्पित की थी। यह भूमि महिआरी-पाटक,असथि-पाटक, थिउल-पाटक,वनिआ-पाटक,दुआरी-पाटक और छिड़ाड़टेम्भा नामक गाँवों के खेतों का हिस्सा थी। यह क्षेत्र पूर्व में अन्राध,उत्तर में तिकरी,दक्षिण में अवदचण,और पश्चिम में चंदुलीआ से घिरा हुआ था। यह भूमि सभी प्रकार के करों(भाग-भोग-कर),जल,स्थल,आम और महुआ के पेड़ों,और खानों के अधिकारों सहित दान की गई थी। दान प्राप्त करने वाले 14 ब्रह्मणों के नाम, पिता के नाम और गोत्र इस ताम्रपत्र में दर्ज हैं। इस विवरण में दान दी गई भूमि की सीमाओं, उसके चारों तरफ स्थित पड़ोसी गांवों,वृक्षों,जल स्रोतों और उस भूमि से प्राप्त होने वाले करों के उपभोग का बहुत ही सूक्ष्म और सटीक प्रशासनिक विवरण दिया जाना तात्कालिक उन्नत राजस्व व्यवस्था को प्रदर्शित करता है। साथ ही वर्तमान में दान-अभिलेखों से साम्यता रखता है।
इसके अंतिम भाग में पारंपरिक धार्मिक श्लोक उत्कीर्ण हैं,जिसमें भावी राजाओं को इस दान की रक्षा करने का संदेश दिया गया है और इसका उल्लंघन करने वाले को घोर पाप का भागी बताते हुए कहा गया है कि भूमि का अपहरण करने वाला साठ हजार वर्षों तक नर्क में वास करता है।

यह ताम्रपत्र रविवार,चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि,संवत 1135 (24 फरवरी 1078 ईस्वी) को आदेश-निबंधक (शाही आदेशों के लेखक) जनक द्वारा लिखा गया था। अभिलेख इन अंतिम शब्दों के साथ समाप्त होता है- यह महाराजाधिराज, गौरवशाली सोढदेव का स्वयं का हस्तलेख है।

वर्तमान समय में काहला ताम्रपत्र उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित प्रसिद्ध राज्य संग्रहालय के पुरालेख एवं वीथिका खंड में पूरी वैज्ञानिक पद्धतियों के साथ सुरक्षित रूप से रखा गया है। जहाँ आज भी देश-विदेश के इतिहासकार और पुरातत्वप्रेमी इस प्राचीन ताम्रपत्र को देखकर ग्यारहवीं शताब्दी के भारत की जीवंत कला और इतिहास को महसूस करते हैं। काहला ताम्रपत्र मध्यकालीन भारत के उस दौर की कड़ियों को जोड़ता है जिसके बारे में इतिहास की किताबों में बहुत कम जानकारी मिलती है। यह इस बात का अकाट्य और प्रामाणिक सबूत है कि त्रिपुरी के मुख्य कलचुरी राजवंश से अलग,गोरखपुर के धुरियापार और चिल्लूपार के जंगलों और मैदानों के बीच सरयूपार के कलचुरी नाम की एक बेहद शक्तिशाली और स्वतंत्र सत्ता फल-फूल रही थी। इसके अलावा,यह ताम्रपत्र तात्कालिक भारत की सामंती व्यवस्था, राजा और प्रजा के संबंधों,भूमि-स्वामित्व के कानूनों और धार्मिक सहिष्णुता पर गहरा प्रकाश डालता है। एक सामवेदी ब्राह्मण को राजा द्वारा इतना बड़ा दान दिया जाना यह साबित करता है कि उस दौर में इस क्षेत्र में वैदिक संस्कृति और सनातन धर्म की जड़ें कितनी गहरी थीं। इसमें दर्ज नदियों और गांवों के नाम इतिहासकारों को गोरखपुर के प्राचीन भूगोल को नए सिरे से समझने में अद्भुत मदद करते हैं। काहला ताम्रपत्र गोरखपुर के माथे पर सजा एक ऐसा ऐतिहासिक तिलक है, जो सदियों बाद आज भी इस क्षेत्र की संप्रभुता, कला और गौरवशाली अतीत की अमर कहानी पूरी दुनिया को सुना रहा है।

अब्राहम अकॉर्ड का समर्थन पाकिस्तान के लिए होगा आत्मघाती कदम

गले की हड्डी बना अकॉर्ड

संजीव ठाकुर,रायपुर छत्तीसगढ़.

वैश्विक राजनीति में अब्राहम कार्ड यानी अब्राहम समझौता अभी सबसे ज्यादा चर्चित हॉट टॉपिक है। और यही अब्राहम रिकॉर्ड पाकिस्तान के लिए बड़ी मुसीबत बना हुआ है । अब्राहम अकॉर्ड अमेरिका की पहल पर हुए इस समझौते ने अरब देशों और इजरायल के बीच दशकों पुरानी शत्रुता को संवाद और कूटनीतिक संबंधों में बदलने का प्रयास किया और पाकिस्तान सहित मुस्लिम दे।
शों द्वारा इसराइल को देश के रूप में मान्यता प्रदान किया जाना होगा। संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मोरक्को और सूडान जैसे देशों ने इजराइल के साथ संबंध सामान्य कर दुनिया को चौंका दिया। अब चर्चा इस बात की है कि अमेरिका चाहता है कि शेष मुस्लिम देश भी इसी राह पर चलें। इसी संदर्भ में पाकिस्तान की स्थिति अत्यंत जटिल और विरोधाभासी दिखाई देती है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में आरंभ हुई इस नीति का मूल उद्देश्य मध्य पूर्व में नई सामरिक धुरी बनाना था। अमेरिका मानता है कि ईरान के बढ़ते प्रभाव,आतंकवाद और आर्थिक अस्थिरता से निपटने के लिए अरब देशों और इजराइल के बीच सहयोग आवश्यक है। अमेरिका की दृष्टि में यह समझौता केवल कूटनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं बल्कि व्यापार, तकनीक, रक्षा और ऊर्जा सहयोग का नया मॉडल है। किंतु पाकिस्तान के लिए यह प्रश्न केवल विदेश नीति का नहीं बल्कि वैचारिक, धार्मिक और आंतरिक राजनीतिक संकट का विषय बन गया है।पाकिस्तान स्वयं को लंबे समय से इस्लामी दुनिया का प्रमुख समर्थक और फिलिस्तीन का पारंपरिक पक्षधर बताता रहा है। पाकिस्तान के पासपोर्ट पर आज भी यह उल्लेख मिलता है कि यह दस्तावेज इजराइल को छोड़कर सभी देशों के लिए मान्य है। यह केवल एक औपचारिक पंक्ति नहीं बल्कि पाकिस्तान की वैचारिक स्थिति का प्रतीक है। पाकिस्तान के निर्माण के बाद से ही वहां की राजनीति में फिलिस्तीन मुद्दा भावनात्मक और धार्मिक रूप से जुड़ा रहा है। ऐसे में यदि पाकिस्तान इजराइल को मान्यता देता है तो उसे अपने ही देश के भीतर तीव्र विरोध का सामना करना पड़ सकता है।
पाकिस्तान की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था लंबे समय से विदेशी कर्ज और अंतरराष्ट्रीय सहायता पर निर्भर रही है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से बार-बार राहत पैकेज लेना उसकी मजबूरी बन चुका है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता ने पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर दिया है। ऐसे समय में अमेरिका की नाराजगी पाकिस्तान के लिए महंगी साबित हो सकती है। अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं पर प्रभाव किसी से छिपा नहीं है। यदि पाकिस्तान अमेरिकी रणनीति के विरुद्ध जाता है तो भविष्य में आर्थिक सहायता और ऋष्ण प्राप्त करना कठिन हो सकता है।
दूसरी ओर पाकिस्तान की घरेलू राजनीति भी इस प्रश्न को सरल नहीं बनने देती। वहां के धार्मिक संगठन और कट्टरपंथी समूह इजराइल विरोध को अपने अस्तित्व का प्रमुख मुद्दा मानते हैं। यदि सरकार इजराइल के साथ संबंध सामान्य करने की दिशा में बढ़ती है तो बड़े पैमाने पर आंदोलन और राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। पाकिस्तान पहले ही आंतरिक आतंकवाद, प्रांतीय असंतोष और राजनीतिक संघर्षों से जूझ रहा है। ऐसे में यह मुद्दा सरकार के लिए गले की हड्डी बन सकता है न उगलते बने और न निगलते। वास्तव में पाकिस्तान की दुविधा केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामरिक भी है। वह लंबे समय से चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए हुए है, जबकि अमेरिका की प्राथमिकताएं बदल रही हैं।

भक्ति,बाबाओं की सत्ता और न्याय का विरोधाभास

-डॉ. सत्यवान सौरभ भिवानी,हरियाणा

जेल,पैरोल और धार्मिक प्रभाव के बीच उलझता भारतीय समाज

भारत में धर्म केवल आस्था का विषय नहीं है; वह सामाजिक प्रभाव,राजनीतिक शक्ति और आर्थिक संरचना का भी बड़ा केंद्र बन चुका है। यही कारण है कि जब किसी बड़े धार्मिक बाबा, स्वयंभू संत या आध्यात्मिक संगठन के प्रमुख पर गंभीर आपराधिक आरोप लगते हैं,तब मामला केवल अदालत और कानून तक सीमित नहीं रहता। वह समाज की मानसिकता,भक्त-राजनीति, न्याय-व्यवस्था और राज्य की निष्पक्षता पर एक व्यापक बहस में बदल जाता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने कई ऐसे मामले देखे हैं जहाँ बड़े-बड़े धार्मिक चेहरों पर यौन शोषण, आर्थिक अनियमितता, हिंसा, अवैध कब्जे और सत्ता के दुरुपयोग जैसे आरोप लगे। कुछ मामलों में अदालतों ने दोष सिद्ध भी किए,लेकिन इसके बावजूद उनके प्रभाव, लोकप्रियता और अनुयायियों की संख्या में बहुत अधिक कमी दिखाई नहीं दी। यही विरोधाभास भारतीय समाज की सबसे जटिल सच्चाइयों में से एक है। जब किसी दोषसिद्ध बाबा को पैरोल मिलती है,जेल से बाहर आने पर उसका भव्य स्वागत होता है, बड़ी गाड़ियों के काफिले चलते हैं, हजारों अनुयायी इकट्ठा होते हैं और पूरा वातावरण किसी धार्मिक उत्सव जैसा दिखाई देता है, तब एक

बड़ा प्रश्न समाज के सामने खड़ा होता है–क्या भारत में आस्था न्याय से अधिक शक्तिशाली हो चुकी है? सामान्य परिस्थितियों में किसी अपराधी की जेल-रिहाई केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया होती है, लेकिन जब वही व्यक्ति करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हो, तब उसकी हर गतिविधि राजनीतिक और सामाजिक अर्थ ग्रहण कर लेती है। भारतीय लोकतंत्र का संकट यही है कि यहाँ कई बार व्यक्ति धार्मिक ब्रांड बन जाता है। उसके खिलाफ अदालत का फैसला भी उसके अनुयायियों के विश्वास को पूरी तरह नहीं तोड़ पाता। भक्तों का एक बड़ा वर्ग हर आरोप को साजिश, राजनीति या धार्मिक षड्यंत्र के रूप में देखने लगता है। यही कारण है कि कुछ बाबाओं के खिलाफ गंभीर आरोप सिद्ध होने के बाद भी उनके डेरे, आश्रम और संस्थाएँ पहले की तरह चलती रहती हैं। उनके समर्थक उन्हें अपराधी नहीं,बल्कि पीड़ित संत के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

विधायक समेत दर्जनभर समर्थकों पर गैरजमानती धाराओं में एफआईआर

नायब तहसीलदार से मारपीट का मामला...प्रशासनिक संघ ने सौंपा ज्ञापन....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026
(घटती-घटना)।

राजापुर उप तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक से मारपीट के मामले में पुलिस ने सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो और उनके समर्थकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। नायब तहसीलदार की रिपोर्ट पर अंबिकापुर कोतवाली पुलिस ने विधायक सहित यूसुफ, नाजिम,राजा,पंकज गुप्ता और अन्य समर्थकों के विरुद्ध गैरजमानती धाराओं 221, 121(1), 191(2) और 132 के तहत अपराध कायम किया है। वहीं विधायक की चचेरी बहन सीमा धनकी की शिकायत पर नायब तहसीलदार तुषार मानिक के खिलाफ सीतापुर थाने में भी मामला दर्ज किया गया है। घटना के विरोध में छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक संघ,सरगुजा इकाई ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की है। जानकारी के अनुसार ग्राम कोटछाल निवासी सीमा धनकी बुधवार शाम राजापुर उप तहसील कार्यालय पहुंची थीं। उन्होंने शाखा-शोध प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया। सीमा का आरोप है कि नायब तहसीलदार ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और कार्यालय से बाहर निकलने को कहा। दूसरी ओर नायब तहसीलदार तुषार मानिक का कहना है कि उन्होंने केवल इतना कहा था कि संबंधित रीडर की अनुपस्थिति के कारण दस्तावेज पर अगले दिन हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने किसी प्रकार की बदसलूकी से इनकार किया है। बताया जा रहा है कि कार्यालय में हुए विवाद के करीब आधे घंटे बाद राजापुर चौराहे पर विधायक और उनके समर्थकों ने नायब तहसीलदार के साथ मारपीट की। घटना के समय सीतापुर एसडीएम फागेश सिन्हा भी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने हस्तक्षेप कर नायब तहसीलदार को वहां से सुरक्षित निकाला।

धरने पर बैठे समर्थकों से की अपील : एफआईआर दर्ज होने के बाद सीतापुर थाने के सामने बड़ी संख्या में समर्थक धरने पर बैठ गए हैं। इस पर विधायक ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। प्रदेश में सुशासन की सरकार है और सभी को न्याय मिलेगा। यदि किसी अधिकारी ने अभद्र व्यवहार किया है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

निष्पक्ष जांच में सामने आएगी सच्चाई,पूरा सहयोग करूंगा : विधायक टोप्पो

राजापुर उपतहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक से मारपीट के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे। विधायक टोप्पो ने कहा कि नायब तहसीलदार तुषार मानिक के खिलाफ लंबे समय से कार्यकर्ताओं और आम लोगों की शिकायतें मिल रही थीं। इसकी जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों को भी पूर्व में दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बहन सीमा धनकी जब अपने निजी कार्य से उपतहसील कार्यालय गई थीं, तब नायब तहसीलदार ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया था। विधायक ने कहा कि घटना वाले दिन जब नायब तहसीलदार राजापुर चौक पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने उनके प्रति नाराजगी जताई। इसके बाद उन पर मारपीट का आरोप लगाया गया और एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविकता सामने आएगी। उनका दावा है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं। विधायक ने कहा कि इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस जांच के बाद तथ्यों के आधार पर सच्चाई सामने आएगी। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस और जांच प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री बोले...चुनाव जीतने का मतलब मनमानी करने का अधिकार नहीं

राजापुर उप तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक से कथित मारपीट के मामले में अब पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने विधायक का नाम लिए बिना कहा कि यदि किसी जनप्रतिनिधि के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है तो निश्चित रूप से कोई घटना हुई होगी। मामले की जांच निष्पक्ष रूप से होनी चाहिए। टीएस सिंहदेव ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को यह समझना होगा कि जनता उन्हें संविधान और कानून के दायरे में रहकर काम करने की जिम्मेदारी देती है। चुनाव जीतने का अर्थ यह नहीं है कि जो चाहें वही करें या प्रशासनिक व्यवस्था पर अपनी इच्छा थोपें। ऐसी सोच लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि मतदाता जनप्रतिनिधियों को पांच वर्ष के लिए विकास और जनसेवा का अवसर देते हैं, न कि निरंकुश होकर काम करने का अधिकार। जनप्रतिनिधियों को संवैधानिक मर्यादाओं और कानून का सम्मान करना चाहिए। यदि कहीं परिपक्वता की कमी है तो उसे दूर करने की आवश्यकता है।

अमरजीत भगत ने भी जताई आपत्ति

मामले पर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसी अधिकारी के साथ मारपीट होना गंभीर और आपत्तिजनक घटना है। यदि नायब तहसीलदार ने अपने बयान में विधायक और उनके समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगाया है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को नियम, प्रक्रिया और प्रशासनिक मर्यादा का पालन करना चाहिए। जनप्रतिनिधि होने का मतलब यह नहीं है कि किसी के साथ बलपूर्वक व्यवहार किया जाए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा छह मंडलों की कार्यकारिणी घोषित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा संगठन विस्तार एवं बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मंडल सीतापुर,मैनपाट,दरिमा, नवानगर,धौरपुर एवं बतौली मंडलों की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संकल्प भवन स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा सरगुजा जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता (बबलू) की सहमति से कार्यकारिणी की घोषणा की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने तथा जनहित के कार्यों में पिछड़ा वर्ग मोर्चा की भूमिका को और प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने नवगठित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को संगठन की रीति-नीति,अनुशासन एवं सेवा भाव के साथ कार्य करने की बात कहते हुए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनसंपर्क पर निर्भर करती है। बैठक का संचालन वीर सोनी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन पंकज गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता (बबलू),कार्यालय मंत्री नंदकिशोर ताम्रकार, कोषाध्यक्ष निशांत गुप्ता (मोंटी), मंत्री मनोज प्रसाद गुप्ता, सह कार्यालय मंत्री गणेश कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हसदेव में नई कोल परियोजना पर टीएस सिंह देव का हमला...

7 लाख पेड़ों की बलि देकर खत्म किया जा रहा रामगढ़ का अस्तित्व

केते एक्सटेंशन कोल परियोजना की मंजूरी पर पूर्व उपमुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार को घेरा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026
(घटती-घटना)।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने हसदेव अरण्य क्षेत्र में प्रस्तावित केते एक्सटेंशन कोल परियोजना को मिली मंजूरी पर केंद्र और राज्य सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अडानी के एमडीओ वाली एक और कोल परियोजना को आखिरकार केंद्र सरकार ने स्वीकृति दे दी है, जबकि यह पूरा मामला पर्यावरण, ऐतिहासिक धरोहर और जनभावनाओं से जुड़ा हुआ है। टीएस सिंह देव ने कहा कि राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम को आवंटित इस कोल खदान परियोजना का लगभग 99 प्रतिशत हिस्सा हसदेव अरण्य के संरक्षित एवं आरक्षित घने वन क्षेत्र में आता है। परियोजना से करीब 1742.6 हेक्टेयर वन भूमि प्रभावित होगी और लगभग 7 लाख पेड़ों की कटाई की आशंका है। उन्होंने कहा कि यह केवल जंगलों का विनाश नहीं, बल्कि सरगुजा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान पर भी बड़ा खतरा है।

रामगढ़ पहाड़ और मंदिर के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना सरगुजा के ऐतिहासिक रामगढ़ पहाड़ से लगी हुई है और खदान की हवाई दूरी रामगढ़ के मुख्य मंदिर से महज 8 किलोमीटर है। उन्होंने दावा किया कि पहले से संचालित अन्य कोल परियोजनाओं के कारण रामगढ़ क्षेत्र में चट्टानों के टूटने, पहाड़ों में दरार आने और भू-स्खलन जैसी स्थितियां लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में केते एक्सटेंशन परियोजना को मंजूरी मिलना रामगढ़ पहाड़ और वहां स्थित धार्मिक स्थलों के अस्तित्व पर गंभीर खतरा पैदा करता है। टीएस सिंह देव ने कहा कि यदि भविष्य में रामगढ़ पहाड़ प्रभावित होता है, मंदिरों को नुकसान पहुंचता है या वहां तक पहुंचने का मार्ग बाधित होता है, तो इसकी जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय वन सलाहकार समिति, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, वन मंत्री केदार कश्यप और स्थानीय विधायक एवं मंत्री राजेश अग्रवाल की होगी।

विधानसभा के सर्वसम्मत प्रस्ताव की दिलाई याद...

उन्होंने कहा कि 26 जुलाई 2022 को छत्तीसगढ़ विधानसभा के विशेष सत्र में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा गया था कि हसदेव अरण्य क्षेत्र में आगे किसी भी नई कोल परियोजना को अनुमति नहीं दी जाएगी। इस प्रस्ताव को सभी दलों के विधायकों ने समर्थन दिया था। इसके अलावा जुलाई 2023 में सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार की ओर से शपथ पत्र प्रस्तुत कर कहा गया था कि हसदेव क्षेत्र में नई कोल खदानें आवश्यक नहीं हैं। टीएस सिंह देव ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद वर्तमान भाजपा सरकार और केंद्र सरकार द्वारा केते एक्सटेंशन को मंजूरी देना विधानसभा के प्रस्ताव और पूर्व में दिए गए आश्वासनों के विपरीत है।

जनहित नहीं,निजी कंपनी के लाभ के लिए हो रहा काम

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान उन्होंने और उनकी पार्टी ने संवैधानिक तरीकों से हसदेव अरण्य को बचाने के लिए लगातार प्रयास किए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा भाजपा सरकार अब खुद विधानसभा में पारित प्रस्ताव को ही नकार रही है। उन्होंने कहा कि केते एक्सटेंशन परियोजना केवल लाखों पेड़ों की कटाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रामगढ़ पहाड़ और वहां स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहरों के अस्तित्व को भी समाप्त कर सकती है। सरकार की कार्यप्रणाली पूरी तरह एक निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने वाली दिखाई दे रही है,जबकि जनहित और पर्यावरण संरक्षण को नजरअंदाज किया जा रहा है।

लोन दिलाने के नाम पर 3 करोड़ की ठगी

अनशिवआर्या फाउंडेशन का संचालक गिरफ्तार

शिक्षिका से 28 लाख रुपए हड़पे,9 अन्य लोगों को भी बनाया शिकार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026
(घटती-घटना)।

जरूरतमंद लोगों को आसान लोन दिलाने और बैंक की किस्त खुद चुकाने का झांसा देकर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने एक शिक्षिका समेत 10 लोगों को फर्जी स्कीम में फंसाकर करीब 3 करोड़ रुपए की ठगी की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। डीआईजी एवं एसएसपी श्री राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में थाना गांधीनगर पुलिस द्वारा धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवशंकर दास को गिरफ्तार किया गया। आरोपी अनशिवआर्या फाउंडेशन ग्रुप कंपनी का संचालक बताया जा रहा है।

घर बनाने के लिए लेना चाहती थी लोन,ठगी का हुई शिकार : पुलिस के अनुसार सरगवां निवासी दिव्या एक्का,जो राजपुर ब्लॉक में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं, ने 12 मई 2026 को थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जुलाई 2024 में जमीन खरीदकर घर बनाने के लिए लगभग 15 लाख रुपए लोन लेने की योजना बना रही थीं। इसी दौरान उनके परिचित के माध्यम से आरोपी शिवशंकर दास और उसकी कंपनी के बारे में जानकारी दी गई। पीड़िता को भरोसा दिलाया गया कि कंपनी बैंक से आसानी से लोन दिलवाती है और एक विशेष स्कीम के तहत जितना लोन स्वीकृत होगा,उसका 60 प्रतिशत कंपनी में जमा करना होगा,जबकि 40 प्रतिशत राशि लाभार्थी को मिलेगी। साथ ही लोन की पूरी किस्त कंपनी द्वारा हर महीने जमा करने का दावा किया गया।

फर्जी स्कीम दिखाकर अलग-अलग बैंकों से कराया 41 लाख का लोन : आरोपी और उसके सहयोगियों ने पीड़िता से व्हॉट्सऐप के माध्यम से आधार कार्ड, पैन कार्ड, फॉर्म-16, सैलरी स्लिप और बैंक स्टेटमेंट सहित अन्य दस्तावेज हासिल कर लिए। इसके बाद मनमाने तरीके से आईसीआईसीआई बैंक से 15 लाख रुपए, बैंक ऑफ इंडिया से 13.40 लाख रुपए और एचडीएफसी बैंक से 12.68 लाख रुपए का कुल 41.08 लाख रुपए का लोन स्वीकृत करा लिया। लोन की राशि खाते में आने के बाद आरोपी ने कंपनी में पैसे जमा कराने का दबाव बनाया और अलग-अलग खातों में कुल 28 लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए। बाद में कंपनी ने किस्त जमा करना बंद कर दिया और पीड़िता को ठगी का एहसास हुआ।

क्रेशर व्यवसाय में नुकसान होने पर रची ठगी की साजिश

पुलिस पूछताछ में आरोपी शिवशंकर दास ने बताया कि वह क्रेशर का संचालन करता है और व्यवसाय में नुकसान होने के कारण उसे पैसों की जरूरत थी। इसी वजह से उसने फर्जी स्कीम बनाकर लोगों को झांसे में लेना शुरू किया। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पीड़िता सहित 10 लोगों से करीब 3 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी की है। पुलिस ने आरोपी शिवशंकर दास पिता राजू दास, उम्र 40 वर्ष, निवासी किशुनपुर थाना धौरपुर जिला सरगुजा को 27 मई 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका

मामले की कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उपनिरीक्षक अभिषेक दुबे, आरक्षक दीनदयाल सिंह, सुल्तान अहमद सहित थाना गांधीनगर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 9.26 करोड़ की ठगी: चिटफंड कंपनी के दो आरोपी गिरफ्तार

गरीब और आदिवासी निवेशकों को बनाया शिकार,गांधीनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026
(घटती-घटना)।

रकम दोगुनी करने का लालच देकर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले चिटफंड नेटवर्क पर गांधीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वेलफेयर बिल्डिंग एण्ड ईस्टेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के माध्यम से निवेशकों से करीब 9 करोड़ 26 लाख 60 हजार 554 रुपए जमा कराए गए थे। मामले में गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। डीआईजी एवं एसएसपी श्री राजेश अग्रवाल के निर्देशन में सरगुजा पुलिस द्वारा फरार एवं संलिप्त आरोपियों की लगातार धरपकड़ की जा रही है। इसी क्रम में थाना गांधीनगर पुलिस ने इनामी चिटफंड और धन परिचालन स्कीम से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

रकम दोगुनी करने का दिया था झांसा : पुलिस के अनुसार 4 सितंबर 2024 को मैनपाट निवासी देवराज यादव ने थाना गांधीनगर में शिकायत दर्ज कराई थी कि वेलफेयर बिल्डिंग एण्ड ईस्टेट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के डायरेक्टर, एडवाइजरी हेड बलराम पाठक, जोनल मैनेजर अखिलेश प्रजापति एवं अन्य पदाधिकारियों ने नमनाकला स्थित कार्यालय के माध्यम से निवेशकों को रकम दोगुनी करने का झांसा देकर पैसे जमा करवाए और बाद में कंपनी बंद कर दी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने निवेशकों एवं गवाहों से पूछताछ की। साथ ही रकम जमा करने संबंधी बॉण्ड पेपर, रसीद, मेमोरेंडम सहित अन्य दस्तावेज जब्त किए। विवेचना में सामने आया कि कंपनी में कुल 9.26 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश कराया गया था।

गरीब,अशिक्षित और आदिवासी लोगों को बनाया निशाना : जांच में यह भी सामने आया कि कंपनी के संचालकों ने सरगुजा और आसपास के क्षेत्रों में कार्यालय खोलकर गरीब, अशिक्षित और आदिवासी निवेशकों को अधिक मुनाफे का लालच दिया। स्थानीय एजेंटों को कमीशन देकर चैन सिस्टम तैयार किया गया और लोगों को कम समय में अधिक लाभ का भरोसा दिलाकर पैसे जमा कराए गए। पुलिस के अनुसार कंपनी ने रिजर्व बैंक या किसी सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना धन परिचालन किया। मामले में इनामी चिट और धन परिचालन स्कीम (पाबंदी) अधिनियम 1978 की धारा 4,5,6 एवं छत्तीसगढ़ निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 10 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

झारखंड से जुड़े आरोपी गिरफ्तार : विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी अखिलेश कुमार प्रजापति (56 वर्ष) निवासी सिंगडूरिया, थाना सतबरवा जिला पलामू झारखंड तथा बलराम पाठक (64 वर्ष) निवासी लोहड़ी, थाना लेस्लीगंज जिला पलामू झारखंड को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कंपनी के प्रचार-प्रसार और निवेश जुटाने में भूमिका स्वीकार की। आरोपियों के मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं, जिनका उपयोग कंपनी के डायरेक्टरों से संपर्क में किया जाता था। पुलिस ने निवेशकों के बयान और जब्त दस्तावेजों के आधार पर दोनों आरोपियों की संलिप्तता पाए जाने पर 27 मई 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

इनकी रही अहम भूमिका : प्रकरण के निराकरण में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उपनिरीक्षक अभिषेक दुबे, आरक्षक ऋषभ सिंह, अरविंद उपाध्याय, अमृत सिंह, अतुल सिंह सहित थाना गांधीनगर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सड़क दुर्घटनाओं में अंकुश लगाने पुलिस की पहल,मणीपुर-लखनपुर क्षेत्र के ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026
(घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही बढ़ोतरी को रोकने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा विशेष पहल की गई। डीआईजी एवं एसएसपी श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो ने थाना मणीपुर एवं लखनपुर क्षेत्रांतर्गत हाईवे के चिन्हित ब्लैक स्पॉट स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हाईवे एसडीओ निखिल लकड़ा,आरटीओ अधिकारी बंटी द्विवेदी, पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी,यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक विजय कैवर्तय,थाना प्रभारी मणीपुर उपनिरीक्षक सीपी तिवारी तथा थाना प्रभारी लखनपुर सम्पत पोटाई भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने दुर्घटना संभावित स्थलों का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रोड मार्किंग, स्पीड ब्रेकर,

ट्रांसपोर्ट स्टॉपर,सांकेतिक एवं सावधानी बोर्ड,स्पीड लिमिट बोर्ड, जंक्शन दिशा-सूचक बोर्ड सहित अन्य आवश्यक यातायात सुरक्षा संसाधन लगाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही स्थानीय ग्राम पंचायतों के साथ समन्वय स्थापित कर सड़क सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने तथा दुर्घटना रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही गई। रात्रिकालीन दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने हेतु पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए क्रेडा विभाग को भी पत्राचार कर आवश्यक सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामूहिक सहभागिता का विषय है।

सरगुजा पुलिस की म्यूल अकाउंट पर बड़ी कार्रवाई,4 आरोपी गिरफ्तार

उत्तरप्रदेश,बिहार और तेलंगाना से जुड़ी साइबर ठगी की शिकायतों में कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)।
साइबर ठगी में उपयोग किए जा रहे म्यूल अकाउंट्स के खिलाफ सरगुजा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना गांधीनगर क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इन खातों में साइबर ठगी की कुल 1 लाख 44 हजार 200 रुपये की राशि आहरित होना पाया गया है। पुलिस मुख्यालय (तकनीकी सेवाएं) नवा रायपुर के निर्देश पर सरगुजा पुलिस लगातार म्यूल अकाउंट, पीओएस, फर्जी सिम धारकों और साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में डीआईजी एवं एसएसपी श्री राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के निर्देशन में थाना गांधीनगर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की।

पहला मामला: उत्तरप्रदेश से जुड़ी शिकायत

थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 313/2026 दर्ज कर दर्रीपारा निवासी 25 वर्षीय अभय रक्सेल के खिलाफ कार्रवाई की गई। आरोपी के बैंक ऑफ महाराष्ट्र, अम्बिकापुर शाखा स्थित खाते के विरुद्ध उत्तरप्रदेश से साइबर पुलिस पोर्टल में ऑनलाइन शिकायत दर्ज थी। जांच में खाते में 17 हजार 780 रुपये की संदिग्ध राशि आहरित होना पाया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपना बैंक खाता किसी अन्य व्यक्ति को बेचने की बात स्वीकार की है। मामले में धारा 317(4), 318(4),3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया।

दूसरा मामला : बिहार से दर्ज हुई ऑनलाइन शिकायत

दूसरे प्रकरण में अम्बिका खलखो निवासी उरांवपारा, बौरीपारा अम्बिकापुर के खिलाफ अपराध क्रमांक 314/2026 दर्ज किया गया। आरोपी के बैंक खाते और उससे जुड़े मोबाइल नंबर के विरुद्ध बिहार से साइबर पोर्टल में शिकायत दर्ज थी। जांच में खाते से 31 हजार 420 रुपये की संदिग्ध राशि का लेनदेन पाया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने भी अपना बैंक खाता अन्य व्यक्ति को उपलब्ध कराना स्वीकार किया है।

तीसरा मामला : तेलंगाना से जुड़ा साइबर फ्रॉड

तीसरे मामले में सरद हलदार एवं मोबाइल नंबर धारक राजा हलदार को गिरफ्तार किया गया। इनके खिलाफ अपराध क्रमांक 315/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा अम्बिकापुर स्थित खाते में 95 हजार रुपये की साइबर ठगी राशि आहरित होना पाया गया। तेलंगाना से साइबर पोर्टल में इस खाते के खिलाफ शिकायत दर्ज थी। आरोपियों ने पूछताछ में अपना बैंक खाता और मोबाइल नंबर 1500 से 2000 रुपये में अन्य व्यक्तियों को बेचना स्वीकार किया है।

लगातार जारी है साइबर अपराध के खिलाफ अभियान

सरगुजा पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी व्यक्ति को अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड,मोबाइल सिम या ओटीपी उपलब्ध न कराएं। पुलिस के अनुसार थोड़े पैसों के लालच में बैंक खाते या मोबाइल नंबर उपलब्ध कराना गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है और ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

5 जी सिम अपडेट के नाम पर देशभर में साइबर ठगी का जाल,देवघर से 6 आरोपी गिरफ्तार

फर्जी एपीके फाइल भेजकर मोबाइल करते थे हैक, ई-सिम एक्टिव कर मिनटों में खाली कर देते थे बैंक खाते

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)।
साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच सरगुजा रेंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। झारखंड के देवघर से ऐसे अंतर्राज्यीय साइबर ठग गिरोह का पर्दाफाश किया गया है, जो 5जी सिम अपडेट, पीएम आवास योजना,पीएम किसान योजना और आरटीओ चालान जैसे नामों का इस्तेमाल कर लोगों के मोबाइल हैक कर रहे थे। आरोपी एपीके फाइल और फर्जी लिंक भेजकर मोबाइल का पूरा एक्सेस अपने कब्जे में ले लेते थे और फिर बैंक खातों से रकम पार कर देते थे। सरगुजा रेंज साइबर थाना की टीम ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपियों के पास से मोबाइल फोन,बैंक दस्तावेज और नगद राशि भी बरामद हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने पूरे देश में बड़े स्तर पर साइबर ठगी करने की बात स्वीकार की है।

5जी सिम अपडेट के नाम पर भेजा लिंक, क्लिक करते ही उड़ गए 5.53 लाख

मामले की शुरुआत जशपुर जिले के पत्थलगांव निवासी उमेश खुटे की शिकायत से हुई। पीड़ित ने 11 सितंबर 2025 को थाना पत्थलगांव पहुंचकर बताया कि उसके मोबाइल पर 5 जी सिम अपडेट करने के नाम से एक लिंक भेजा गया था। लिंक पर क्लिक करने और निर्देशों का पालन करने के कुछ ही समय बाद उसके बैंक खाते से 5 लाख 53 हजार 900 रुपए निकल गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए दीपक कुमार झा ने तत्काल साइबर रेंज थाना को जांच सौंपी और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद राहुल बंसल के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई।

देवघर में बैठकर पूरे देश में फैला रखा था नेटवर्क

तकनीकी जांच और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम झारखंड के देवघर पहुंची। यहां घेराबंदी कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह संगठित तरीके से साइबर ठगी कर रहा था और इसके लिए कई एजेंट भी नियुक्त किए गए थे। गिरफ्तार आरोपियों में संतोष कुमार दास,पप्पू महरा,प्रयाग दास,राजकुमार मंडल, आर्यन कुमार और नित्यानंद शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 10 मोबाइल फोन, पासबुक, चेकबुक और 51 हजार रुपए नकद जब्त किए हैं।

ऐसे करते थे साइबर ठगी : पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी लोगों के मोबाइल पर 'PM Awas Yojana.apk ', 'PM Kisan Yojana.apk ', 'RTO Chalan.apk ', 'Parivahan.apk' जैसे नामों से फर्जी एपीके फाइल और लिंक भेजते थे। आम लोग सरकारी योजना या चालान संबंधी सूचना समझकर इन फाइलों को डाउनलोड कर लेते थे। जैसे ही एपीके फाइल इंस्टॉल होती थी, मोबाइल का कंट्रोल आरोपियों के पास पहुंच जाता था। आरोपी मोबाइल के SMS, OTP,बैंकिंग डिटेल और अन्य निजी जानकारी रियल टाइम में देख लेते थे।

इसके बाद वे पीड़ित के मोबाइल नंबर पर ई-सिम एक्टिवेशन की प्रक्रिया शुरू करते थे। ई-सिम एक्टिव होते ही पीड़ित का असली सिम बंद हो जाता था और वही नंबर आरोपियों के मोबाइल में चालू हो जाता था। इसके बाद आरोपी यूपीआई और नेट बैंकिंग के जरिए रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कर एटीएम से निकाल लेते थे।

रोजाना 2500 लोगों को भेजते थे फर्जी लिंक : पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि उनका गिरोह प्रतिदिन लगभग 2500 लोगों को फर्जी एपीके फाइल और लिंक भेजता था। इसके लिए अलग-अलग एजेंट काम करते थे,जो सोशल मीडिया, मैसेज और व्हाट्सएेप के जरिए लोगों तक लिंक पहुंचाते थे। पुलिस का मानना है कि इस गिरोह ने देशभर में हजारों लोगों को ठगी का शिकार बनाया है और करोड़ों रुपए की साइबर ठगी की जा चुकी है। फिलहाल पुलिस अन्य सदस्यों और बैंक खातों की जानकारी जुटाने में लगी है।

पहले भी सामने आ चुका है गिरोह का नाम : पुलिस ने बताया कि इससे पहले थाना कांसाबेल जिला जशपुर के अपराध क्रमांक 99/2025 में भी इसी तरह की साइबर ठगी सामने आई थी। उस मामले में करीब 29 लाख 15 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी हुई थी। जांच में पता चला था कि बैंक के एक गार्ड ने ग्राहक की मदद करने के बहाने उसके मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड कराई थी। इसके बाद खाते से रकम निकाल ली गई थी। उस मामले में भी मधुपुर जिला देवघर से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

पुलिस की अपील : किसी भी एपीके फाइल को डाउनलोड न करें : पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, एपीके फाइल या 5जी अपडेट संबंधी मैसेज पर भरोसा न करें। किसी भी सरकारी योजना या बैंकिंग सेवा से संबंधित जानकारी केवल आधिकारिक वेबसाइट और ऐप से ही प्राप्त करें। साथ ही यदि मोबाइल में अचानक नेटवर्क बंद हो जाए,बैंक खाते से अनधिकृत ट्रांजेक्शन हो या संदिग्ध मैसेज प्राप्त हो तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 या नजदीकी पुलिस थाना में शिकायत करें। पूरी कार्रवाई में साइबर रेंज थाना के निरीक्षक अश्वनी सिंह, निरीक्षक कलीम खान सहित अन्य पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

केना बांध क्षेत्र की बदलेगी तस्वीर : 27.50 लाख की लागत से बनेगा बड़ा नाला व नाली...महापौर ने किया भूमिपूजन

वर्षों पुरानी जलभराव समस्या से मिलेगी राहत,वार्डवासियों ने जताई खुशी...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)।
शहर के वार्ड क्रमांक 22 नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड में लंबे समय से लोगों की परेशानी बनी जलनिकासी समस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केनाबांध तालाब के पास बहुप्रतीक्षित बड़े नाले एवं नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर श्रीमती मंजूषा भगत के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। करीब 27.50 लाख रुपए की लागत से होने वाले इस निर्माण कार्य से क्षेत्र में हर वर्ष बारिश के दौरान होने वाले जलभराव और गंदे पानी की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। नगर निगम द्वारा 22 लाख रुपए की लागत से बड़े नाले और 5.50 लाख रुपए की लागत से छोटी नाली निर्माण कार्य को स्वीकृति दी गई है।

प्रस्तावित नाले का निर्माण ऋषि पांडे के निवास से लेकर महेश चौबे के घर तक किया जाएगा। इससे क्षेत्र के कई मोहल्लों की जलनिकासी व्यवस्था सुचारु होगी और सड़कों व घरों में पानी भरने की समस्या कम होगी। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि नगर निगम जनता की मूलभूत समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड भ्रमण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने जलनिकासी की गंभीर समस्या से अवगत कराया था, जिसके बाद प्राथमिकता के आधार पर इस कार्य को स्वीकृति दिलाई गई। महापौर ने वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्वेता गुप्ता के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार क्षेत्र का निरीक्षण कर लोगों की समस्याओं को निगम प्रशासन तक पहुंचाया। एमआईसी सदस्य श्वेता गुप्ता ने बताया कि वर्षों से वार्डवासी नाला निर्माण की मांग कर रहे थे। लगातार प्रयासों और विभागीय समन्वय के बाद यह कार्य स्वीकृत हो सका है। उन्होंने कहा कि जल्द ही ठेकेदारी प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

बारिश में सड़कें बन जाती थीं तालाब : स्थानीय लोगों ने बताया कि केना बांध क्षेत्र में बरसात के दिनों में सड़कें तालाब में तब्दील हो जाती थीं। गंदा पानी घरों के आसपास जमा होने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। कई बार आवागमन भी प्रभावित होता था। अब नाले के निर्माण से क्षेत्र में स्वच्छता और जलनिकासी व्यवस्था बेहतर होगी।

विकास कार्यों से बढ़ेगी क्षेत्र की उपयोगिता : स्थानीय व्यापारियों और निवासियों ने कहा कि नाला-नाली निर्माण से न केवल जलभराव की समस्या दूर होगी, बल्कि सड़क और आवासीय क्षेत्रों की स्थिति भी बेहतर होगी। इससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और संपत्तियों के मूल्य में भी वृद्धि होने की संभावना है। भूमिपूजन कार्यक्रम में सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, पीडब्ल्यूडी प्रभारी मनीष सिंह, जलप्रदाय प्रभारी जितेंद्र सोनी, महिला एवं बाल विकास प्रभारी प्रियंका गुप्ता, पार्षद विकास पांडेय, शैलेंद्र सिंह, भाजपा नेता आकाश गुप्ता, कौशलेंद्र पांडेय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, नगर निगम अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंडर-16 पिंक बॉल क्रिकेट में टाइगर और विनायकम की जीत

गांधी स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले,युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)।
सरगुजा जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में गांधी स्टेडियम में आयोजित एम.एस. सिंह देव अंडर-16 पिंक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। 20 ओवर के मैचों में युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मनोरंजन किया। पहले मुकाबले में सरगुजा पेंथर ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 95 रन बनाए। आयुष सिंह ने सर्वाधिक 30 रन की पारी खेली। जवाब में सरगुजा टाइगर ने 14वें ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अक्षत सिंह ने 21 रन बनाए। टाइगर की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले आयुष राज को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में विनायकम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 119 रन बनाए। नैतिक चौधरी ने सर्वाधिक 24 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अजबनगर की टीम 81 रन पर सिमट गई। विनायकम के रुद्रांग त्रिपाठी ने 4 विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया और मैन ऑफ द मैच बने। टूर्नामेंट में लड़कियों का 10 ओवर का प्रदर्शनी मैच भी खेला गया। गर्ल्स टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 59 रन बनाए। हालांकि मुकाबला बॉयज टीम ने जीता, लेकिन लड़कियों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने दर्शकों की सराहना बटोरी। इस अवसर पर महापौर मंजूषा भगत,निगम सभापति हरविंदर सिंह टिन्नी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

पुरस्कार वितरण : टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले गगन बॉस को ऑरेंज कैप तथा सर्वाधिक विकेट लेने वाले आयांश द्विवेदी को पर्पल कैप प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच और अनुभव प्रदान कर रही है।

नाम सुधार सूचना

मैं दीपिका अग्रवाल पति विजय कुमार अग्रवाल, आयु 41 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 38 अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) । यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है। मेरे पति का नाम विजय अग्रवाल (VIJAY AGRAWAL) था जो अब वर्तमान में पति का नाम विजय कुमार अग्रवाल (VIJAY KUMAR AGRAWAL) हो गया है। मेरे दस्तावेजों में मेरे पति का नाम विजय अग्रवाल (VIJAY AGRAWAL) दर्ज था जो अब वर्तमान में मेरे पति का नाम परिवर्तन होकर विजय कुमार अग्रवाल (VIJAY KUMAR AGRAWAL) हो गया है। जिसके समर्थन में स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथग्रहिता
दीपिका अग्रवाल

ईद-उल-अजहा की नमाज अता कर मांगी अमन चैन की दुआ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)।
ईद-उल-अज़हा की नमाज़ ईदगाह में अदा की और नमाज़ के बाद गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी गई। ईद उल अजहा की नमाज जामा मस्जिद के हाफिज व कारी असीमुद्दीन साहब ने नमाज अदा कराई॥ नमाज़ के बाद मुल्क में अमन चैन खुसहाली की दुआ मांगी। ईदगाह के आलवा जामा मस्जिद एवं एवं केंद्रीय जेल अंबिकापुर में नमाज अदा की गई। अंजुमन कमेटी के अध्यक्ष इरफान सिद्दीकी ने बताया ईद - उल - अजहा का त्योहार त्याग, कुर्बानी, मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम देने वाला मुकद्दस है उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग,नगर निगम का शुक्रिया अदा किया। इस अवसर पर श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद,परवेज आलम गांधी,जावेद खान,अफजाल अंसारी,अब्दुल लतीफ,तनवीर हसन,नान बाबा,याकूब ख़ान,सफ़दर अली,शाहिद खान, मोहसिन खान,अरिब सिद्दीकी, सिकंदर खान, इमरान सिद्दीकी,अनिक खान आदि बड़ी संख्या में नमाजी शामिल हुए।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग (वि/यां) संभाग अम्बिकापुर ,जिला सरगुजा (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 1964/NIT-02/2026-2027/ व.ले.लि. दिनांक 21/05/2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 02/06/2026 अपरान्ह 5:30 बजे तक
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 10/06/2026 अपरान्ह 3:30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 11/06/2026 पूर्वान्ह 11:30 बजे तक
कार्यों हेतु:-
निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 750.00 रुपये निविदाकारों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत ''द'' से ''अ'' तक तथा कार्य की अवधि T0006 से T0008 हेतु दिनांक 31.10.2026 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी क्रं0 निविदा क्र.	कार्य का नाम NOofCalls (प्रथम आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत लागत (लाख में) अमानत राशि (रू0में) बैंक साल्वेंसी (रू0में)
1	2	3
T0006	बलरामपुर जिले में विकासखंड बलरामपुर के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल भवन लुर्गीखुर्द में विद्युतीकरण कार्य। जमा कार्य	5.10-5000 00-76500.00
T0007	बलरामपुर जिले में विकासखंड कुसमी के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल भवन नीलकंठपुर मे विद्युतीकरण कार्य। जमा कार्य	5.10-5000.00-76500.00
T0008	बलरामपुर जिले के अंतर्गत जिला चिकित्सालय बलरामपुर में केबल लेईंग एवं पैनल कार्य हेतु । जमा कार्य	2.67-2670 00-40050.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.nic.in/pwdraipur Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी0नं0 -262700959/4

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग(वि/यां) संभाग
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता

लोक निर्माण विभाग,नवा रायपुर,अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	191276-प्रथम आमंत्रण 19.05.2026	जांजगीर पीथमपुर ग्रामीण मार्ग लंबाई 9.30 कि.मी. का मजबूतीकरण का निर्माण कार्य ।	2196.69
2	191277-प्रथम आमंत्रण 19.05.2026	मरवाही कटरा बेलझिरिया कांसबहरा मार्ग लंबाई 19.60 कि.मी. में 7 मजबूतीकरण का निर्माण कार्य ।	2839.07
3	191226-प्रथम आमंत्रण 19.05.2026	जिला सरगुजा के सोनतराई मैनपाट मार्ग लं. 28.00 कि.मी. का मजबूतीकरण एवं सौंदर्यीकरण निर्माण कार्य ।	2607.34
4	191284-द्वितीय आमंत्रण 19.05.2026	जिला जशपुर के ग्राम पंचायत लुडेग के पूनापारा से लबनीपारा मुख्य बस्ती मार्ग लं. 5.00 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	507.44
5	191285-द्वितीय आमंत्रण 19.05.2026	जिला कोरबा के दर्री -बरॉज- कोहड़िया मार्ग में बेलगरी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	890.82
6	191287-पंचम आमंत्रण 19.05.2026	जिला निर्माण समिति मद अंतर्गत छिन्दनार से कौरगांव मार्ग में 7 हान्दावाड़ा नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, जमा मद ।	573.01
7	191325-द्वितीय आमंत्रण 19.05.2026	जिला कांकेर के अंतागढ़ - बेडमा मार्ग के कि.मी. 15 / 2 निर्गुण नाला 7 पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	362.41
8	191290-द्वितीय आमंत्रण 20.05.2026	जिला सूरजपुर के वि.खं. सूरजपुर के भैयाथान के मुख्य मार्ग से उंचडीह-नेवरा-बरौला-परसापारा-कृष्णापुर मार्ग लं. 12.18 कि.मी.निर्माण कार्य ।	2024.55
9	191056-प्रथम आमंत्रण 20.05.2026	जिला धमतरी के राजनांदगांव गुण्डरदेही धमतरी नगरी सिहावा बोराई (राज्य मार्ग क्र. 23) के कि.मी. 121/2 से 139 / 10 = 19.00 कि.मी. में मजबूतीकरण एवं डामरीकरण कार्य ।	1170.83
10	191390-प्रथम आमंत्रण 20.05.2026	जिला धमतरी के नगरी दुधावा-नगरी-बासीन (राज्य मार्ग क्र. 06) के कि.मी. 47 से 53 एवं 55 = 8.00 कि.मी. का उन्नयन एवं मजबूतीकरण निर्माण कार्य ।	1789.27
11	191354-प्रथम आमंत्रण 20.05.2026	जिला धमतरी के दुधावा- मुरूम सिल्ली- बनरौद मार्ग (मुख्य जिला मार्ग क्र. 233) कि.मी. 30/6 से 44/2 = 13.80 कि.मी. में मजबूतीकरण एवं डामर नवीनीकरण निर्माण कार्य ।	2146.55
12	191424-प्रथम आमंत्रण 21.05.2026	जिला कोण्डागांव के मर्दापाल में शासकीय महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण सहित कार्य ।	453.98
13	191425-प्रथम आमंत्रण 21.05.2026	जिला जशपुर के भेलवा से खाडुंग मार्ग पर खाडुंग नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	474.98
14	191449-प्रथम आमंत्रण 21.05.2026	जिला गरियाबंद के राजिम - चौबेबांधा - नवागांव मार्ग लंबाई 3.30 कि. मी. का चौड़ीकरण कार्य पुल पुलिया सहित ।	799.63
15	191450-प्रथम आमंत्रण 21.05.2026	जिला दुर्ग के पुलगांव पुल मुख्य मार्ग से अंजोरा रसमडा राज्य मार्ग क्र. - 22 फोरलेन मार्ग लंबाई 5.275 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	2802.70
16	191452-प्रथम आमंत्रण 21.05.2026	जिला धमतरी के दुधावा नगरी बासीन मार्ग (राज्य मार्ग क्र. - 06) के 7 कि.मी. 61 / 10 में मध्यम पुल के निर्माण कार्य ।	292.05
17	191443-प्रथम आमंत्रण 21.05.2026	जिला धमतरी के मेघा बस्ती से शमशान घाट एवं गौठान पहुंच मार्ग लंबाई 1.55 कि.मी. निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित ।	202.70
18	191455-प्रथम आमंत्रण 21.05.2026	नवापारा से जशपुर पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	331.06

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 06 दिनांक 01.06.2026, सं.क्र. 01 से सं.क्र. 03, सं.क्र. 09 दिनांक 10.06.2026, सं.क्र. 04 से सं.क्र. 05, सं.क्र 07 से सं.क्र 08 दिनांक 05.06.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 12.06.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

जी0नं0 -262701033/2

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

CMYK

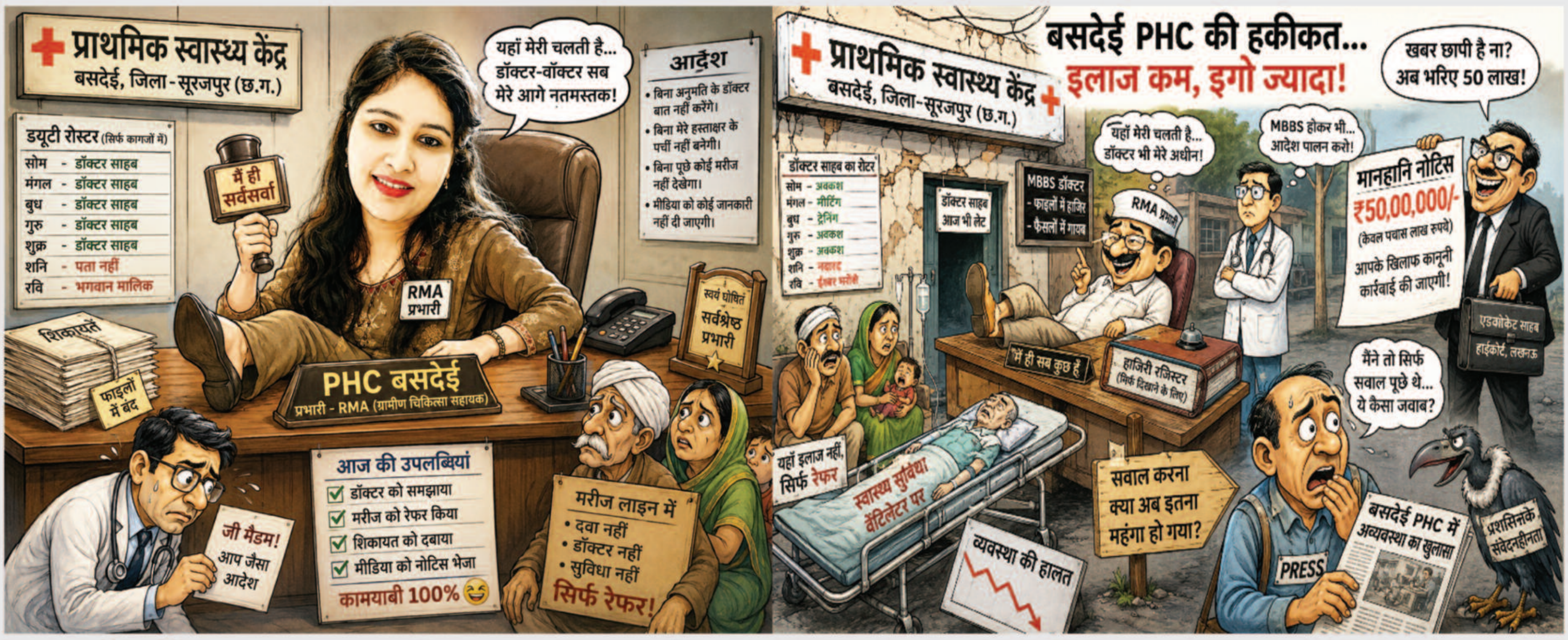

बसदेई PHC में इलाज से ज्यादा 'इगो' का इलाज जरूरी!

RMA बड़ा या MBBS? सवाल उठे तो पत्रकार पर 50 लाख का नोटिस

अस्पताल की बदहाली पर खबर छपी,सिस्टम को अपनी कुर्सी की चिंता हो गई....

- मरीज रेफर होते रहे,लेकिन नोटिस सेवा सुपरफास्ट निकली!
- बसदेई PHC में स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर...लेकिन मानहानि नोटिस हाईस्पीड पर...
- खबर अस्पताल पर थी,लेकिन दर्द प्रभारी की प्रतिष्ठा को हो गया...
- जांच होनी थी अस्पताल की...शुरू हो गई पत्रकार की घेराबंदी...
- ड्यूटी रोस्टर कागजों में फिट,व्यवस्था सवालों में हिट...
- ग्रामीण अस्पताल में अव्यवस्था उजागर हुई तो पत्रकार बना 'आरोपी'
- अस्पताल चला कौन रहा है? बसदेई PHC में यही सबसे बड़ा सवाल
- खबर ने नस दबा दी क्या? बसदेई PHC विवाद में बढ़ी बेचैनी
- जनहित की खबर या 'गुनाह'? बसदेई PHC मामले में बड़ा विवाद
- इलाज भगवान भरोसे,लेकिन नोटिस व्यवस्था पूरी तरह आधुनिक!
- खबर छपी तो स्वास्थ्य व्यवस्था नहीं सुधरी,लेकिन 50 लाख का नोटिस एक्सप्रेस जरूर दौड़ पड़ा...

-ओंकार पाण्डेय -

सूरजपुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले का बसदेई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों किसी अस्पताल से ज्यादा प्रशासनिक रहस्य कथा का केंद्र बन गया है, यहां मरीजों को दवा से पहले रेफर मिलने की शिकायतें पुरानी हैं,डॉक्टरों की उपलब्धता पर सवाल पुराने हैं, ड्यूटी रोस्टर और जमीन की हकीकत के बीच फर्क पुराने हैं,लेकिन जैसे ही इन मुद्दों पर अखबार में खबर छपी,पूरा सिस्टम अचानक सक्रिय हो गया,फर्क सिर्फ इतना था कि सक्रियता अस्पताल सुधारने के लिए नहीं,बल्कि खबर लिखने वाले पत्रकार को 50 लाख का मानहानि नोटिस भेजने के लिए दिखाई दी, अब ग्रामीणों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही घूम रहा है बसदेई पीएचसी में आखिर बड़ा कौन है? मरीज की समस्या, एमबीबीएस डॉक्टर,या फिर कुर्सी का रुतबा?

अस्पताल में इलाज कम, पद की राजनीति ज्यादा?

दैनिक घटती-घटना में प्रकाशित खबरों ने बसदेई पीएचसी की उस अंदरूनी स्थिति को सामने लाने की कोशिश की, जिसे ग्रामीण लंबे समय से महसूस कर रहे थे,खबरों में सवाल उठाया गया कि एमबीबीएस डॉक्टर होने के बावजूद प्रभावहीन क्यों दिखाई दे रहे हैं? अस्पताल संचालन में आरएमए प्रभारी का दबदबा क्यों चर्चा में है? रात की स्वास्थ्य सेवाएं सवालों के घेरे में क्यों हैं? लेकिन खबरों का जवाब स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम ने नहीं दिया,जवाब आया कानूनी नोटिस के रूप में, वह भी सीधे 50 लाख रुपये की मानहानि के साथ,अब लोग व्यंग्य में कह रहे हैं अस्पताल में ऑक्सीजन सिलेंडर देर से पहुंचे या न पहुंचे,लेकिन नोटिस की सप्लाई समय पर हो रही है।

अस्पताल वेंटिलेटर पर,लेकिन 'इमेज मैनेजमेंट' फिट- बसदेई पीएचसी को लेकर जो तस्वीरें और रिपोर्टें सामने आईं,उन्होंने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की चिंताजनक स्थिति को उजागर किया। लेकिन सुधार की जगह अब पूरा फोकस 'छवि बचाओ अभियान' पर जाता दिखाई दे रहा है, ऐसा लगने लगा है कि कई सरकारी दफ्तरों में अब नई कार्यशैली विकसित हो चुकी है समस्या ठीक हो या न हो, खबर बाहर नहीं जानी चाहिए, लेकिन सवाल यह है कि खबर रोक देने से क्या अस्पताल ठीक हो जाएगा? क्या नोटिस से मरीजों को इलाज मिलने लगेगा? क्या कानूनी भाषा से डॉक्टरों की उपस्थिति बढ़ जाएगी?

50 लाख का नोटिस डर दिखाने की नई सरकारी दवा?

सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि यदि खबरें गलत थीं,तो उनका तथ्यात्मक खंडन क्यों नहीं जारी किया गया? ड्यूटी रजिस्टर सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए? जांच रिपोर्ट सामने क्यों नहीं रखी गई? सीधा 50 लाख का नोटिस आखिर किस मानसिकता को दर्शाता है? क्या यह संदेश देने की कोशिश थी कि भविष्य में कोई पत्रकार अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठाने से पहले अपनी आर्थिक स्थिति भी जांच ले? स्थानीय पत्रकारों के बीच अब यह चर्चा तेज है कि क्या ग्रामीण पत्रकारिता अब जोखिम भरा निवेश बनती जा रही है।

क्या प्रभारी खुद को विभाग से भी ऊपर समझने लगे हैं?

मामले ने एक और गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है, संबंधित प्रभारी स्वयं शासकीय कर्मचारी हैं,ऐसे में यदि अस्पताल की व्यवस्था सवालों में है, तो जवाबदेही भी उनसे पूछी जाएगी,लेकिन यहां ऐसा लगा मानो जिम्मेदारी स्वीकारने के बजाय कानूनी दबाव को हथियार बनाया गया,लोग अब पूछ रहे हैं क्या संबंधित प्रभारी ने अपने अधिवक्ता को यह बताया कि वे खुद सरकारी व्यवस्था का हिस्सा हैं? क्या उन्होंने यह बताया कि खबरें निजी जीवन पर नहीं, बल्कि अस्पताल संचालन पर थीं? या फिर पूरा प्रयास सिर्फ इतना था कि खबरों का दबाव किसी तरह कम हो जाए?

आरएमए प्रभारी बने तो सवाल उठना स्वाभाविक था...

जब किसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक आरएमए को प्रभारी बनाया जाता है,तो प्रशासनिक स्तर पर सवाल उठना स्वाभाविक है, लोग पूछेंगे ही कि मेडिकल ऑफिसर यानी एमबीबीएस डॉक्टर की भूमिका क्या रह जाएगी? क्या एमबीबीएस डॉक्टर आरएमए प्रभारी के अधीन काम करेंगे? या फिर केवल नाम के लिए पदस्थ रहेंगे? यही सवाल खबरों में सामने आए थे,लेकिन ऐसा प्रतीत हुआ कि सवालों को व्यवस्था सुधार के अवसर की तरह लेने के बजाय उन्हें 'प्रतिष्ठा पर हमला' मान लिया गया, विडंबना यह रही कि जिन खबरों में अस्पताल की व्यवस्था पर चर्चा थी,उन्हें इस तरह पेश किया गया मानो किसी निजी साम्राज्य को गिराने की साजिश चल रही हो।

प्रभारी को खबर से दर्द हुआ, मरीजों की शिकायतों से नहीं?

ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर शिकायतें नई नहीं हैं,कई बार रात में डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने, मरीजों को रेफर करने और स्वास्थ्य सेवाओं में कमी की चर्चा होती रही है, लेकिन उन शिकायतों पर जितनी तेजी से कार्रवाई नहीं हुई, उससे कहीं ज्यादा तेजी से पत्रकार को नोटिस भेजने की प्रक्रिया पूरी हो गई,यानी मरीज इंतजार करते रहे,लेकिन नोटिस ने कभी देरी नहीं की, अब गांव में लोग मजाक में बोल रहे हैं बसदेई PHC में दो चीजें सबसे फास्ट हैं रेफर और लीगल नोटिस।

पत्रकारिता अब सरकारी प्रशस्ति गान बने?

लोकतंत्र में पत्रकार का काम सिर्फ रिबन कटिंग और सम्मान समारोह छापना नहीं होता,पत्रकारिता का असली काम वही है जो असुविधाजनक सवाल पूछे,यदि अस्पताल में अव्यवस्था है, तो सवाल होगा,यदि मरीज परेशान हैं, तो खबर बनेगी,यदि एमबीबीएस डॉक्टर प्रभावहीन बताए जा रहे हैं,तो बहस होगी,लेकिन अब ऐसा वातावरण बनाया जा रहा है कि सवाल पूछो और सीधे 'मानहानि पैकेज' प्राप्त करो।

अब जनता पूछ रही है...

- क्या बसदेई पीएचसी की निष्पक्ष जांच होगी?
- क्या ड्यूटी रोस्टर और वास्तविक उपस्थिति की समीक्षा होगी?
- क्या MBBS डॉक्टर और RMA प्रभारी की भूमिका स्पष्ट होगी?
- क्या ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा?
- या पूरा मामला सिर्फ पत्रकार बनाम नोटिस बनकर रह जाएगा?

घटती घटना
कोरिया- सूरजपुर समाचार
अम्बिकापुर रविवार 24 मई 2026
5

पीएचसी में डॉक्टर गायब
लेकिन मानहानि नोटिस समय पर पहुंच गया!

बसदेई की खबर छपी तो इलाज नहीं...50 लाख का नोटिस शुरू हो गया!

कुर्सी बड़ी या जिम्मेदारी?

इस पूरे विवाद ने एक बात साफ कर दी है व्यवस्था में कई बार कुर्सी की संवेदनशीलता मरीजों की तकलीफ से ज्यादा तेज हो जाती है,खबर छपते ही जो बेचैनी दिखाई दी,उसने यह संकेत जरूर दिया कि मामला सिर्फ एक रिपोर्ट का नहीं था,कहीं न कहीं खबरों ने उस व्यवस्था को छू लिया था जिसे अब तक सुरक्षित माना जा रहा था।

अंत में...

बसदेई पीएचसी विवाद अब केवल एक अस्पताल की कहानी नहीं रह गया है,यह उस मानसिकता की कहानी बन गया है जहां सवाल पूछने वालों से ज्यादा डर सवाल छपने से लगता है,पत्रकार ने सवाल पूछा,व्यवस्था जवाब दे सकती थी,जांच कर सकती थी,सुधार कर सकती थी, लेकिन जवाब में 50 लाख का नोटिस आया,अब जनता यही कह रही है लगता है खबर सिर्फ अखबार में नहीं छपी...सीधे व्यवस्था की नस पर लग गई।

कानूनी डिस्क्लेमर

यह समाचार उपलब्ध दस्तावेजों,प्रकाशित रिपोर्टों,स्थानीय चर्चाओं और संबंधित पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप पर आधारित व्यंग्यात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रस्तुति है,इसमें व्यक्त विचार सार्वजनिक विमर्श और जनहित के संदर्भ में प्रस्तुत किए गए हैं,समाचार का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष की मानहानि करना नहीं है,सभी आरोपों की स्वतंत्र न्यायिक पुष्टि शेष है,यदि किसी पक्ष को तथ्यात्मक आपत्ति हो,तो उनका अधिकृत पक्ष/स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जा सकता है।

चिरमिरी को मिली विकास की बड़ी सौगात...5.09 करोड़ से बनेगा अत्याधुनिक ऑडिटोरियम,मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत मिली स्वीकृति

-संवाददाता-

चिरमिरी,28 मई 2026 (घटती-घटना)। चिरमिरी नगर पालिक निगम क्षेत्र को विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है,छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा अत्याधुनिक ऑडिटोरियम निर्माण के लिए ?509.36 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है,यह निर्माण कार्य मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 20 में शासकीय महाविद्यालय चिरमिरी के समीप कराया जाएगा।

सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों को मिलेगा नया मंच- इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद चिरमिरी और आसपास के क्षेत्रों को एक आधुनिक एवं सुविधायुक्त सभागार उपलब्ध होगा, लंबे समय से क्षेत्र में बड़े सांस्कृतिक,सामाजिक और शैक्षणिक आयोजनों के लिए उपयुक्त ऑडिटोरियम की मांग की जा रही थी,जिसे अब शासन की स्वीकृति मिलने के बाद मूर्त रूप मिलने जा रहा है,प्रस्तावित ऑडिटोरियम में विशाल सभागार,आधुनिक मंच व्यवस्था, अत्याधुनिक ध्वनि एवं प्रकाश प्रणाली,पर्याप्त बैठने की व्यवस्था,पार्किंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, इससे स्थानीय कलाकारों,विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न संस्थाओं को बेहतर मंच उपलब्ध होगा।

क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल- स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इस स्वीकृति को चिरमिरी के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है,लोगों का मानना है कि इस ऑडिटोरियम के बनने से न केवल सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा,बल्कि बड़े स्तर के शासकीय एवं गैर-शासकीय कार्यक्रमों का आयोजन भी आसानी से किया जा सकेगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने जताया आभार

इस अवसर पर श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया,उन्होंने कहा कि चिरमिरी लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है और यह भव्य ऑडिटोरियम आने वाले समय में क्षेत्र की नई पहचान बनेगा,उन्होंने कहा कि इससे युवाओं और स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला एवं क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर मिलेगा तथा साहित्यिक,सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा प्राप्त होगी।

आधुनिक आधारभूत संरचना को मिलेगा बढ़ावा...

नगर पालिक निगम क्षेत्र में इस बड़ी परियोजना की स्वीकृति के बाद जनप्रतिनिधियों और नागरिकों में उत्साह देखा जा रहा है,लोगों का कहना है कि यह परियोजना चिरमिरी के शहरी विकास और आधुनिक आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

‘हम नहीं बदलते...कलेक्टर बदलते रहते हैं!’ कोरिया कलेक्ट्रेट में ‘स्थायी स्टेनो राज’ पर बड़ा सवाल,नियम किनारे और प्रभावशाली व्यवस्था का जलवा बरकरार

‘स्थायी स्टेनो राज’ का खेल! कलेक्टर बदलते रहे, लेकिन नहीं बदला प्रतिनियुक्ति सिस्टम

राजस्व विभाग गायब,प्रतिनियुक्ति वाला सक्रिय! कोरिया कलेक्ट्रेट में उठे बड़े सवाल

निष्ठा का सम्मान या सिस्टम का इनाम? विवादों के बीच स्टेनो को मिला प्रशस्ति पत्र

प्रतिनियुक्ति या परमानेंट पोस्टिंग ? कोरिया कलेक्ट्रेट में वर्षों से जमे स्टेनो पर घमासान

हम नहीं बदलते...कलेक्ट्रेट में स्थायी कर्मचारी व्यवस्था पर कर्मचारियों का तंज

प्रशस्ति पत्र से बढ़ा विवाद,नियमों पर सवाल, सम्मान पर भी उठी उंगलियां

कलेक्ट्रेट में ‘स्थायी सत्ता’ का आरोप, विभागीय कर्मचारी किनारे,प्रतिनियुक्ति वाला केंद्र में

कोरिया कलेक्ट्रेट में कौन चला रहा सिस्टम? अधिकारी बदलते रहे,प्रभाव वही कायम

प्रतिनियुक्ति की आड़ में वर्षों का प्रभाव? उत्कृष्ट कर्मचारी सम्मान के बाद गरमाया मामला

सरकारी सिस्टम या निजी पकड़? कलेक्ट्रेट में ‘स्थायी स्टेनो’ मॉडल पर बहस तेज

फाइलों से ज्यादा चर्चाओं में स्टेनो राज,प्रशस्ति पत्र ने खोले कई सवाल

‘निष्ठापूर्वक दायित्व’ या वर्षों की पकड़? प्रशस्ति पत्र बना प्रशासनिक बहस का केंद्र

कलेक्ट्रेट में बदलते अफसर, स्थायी प्रभावशाली कर्मचारी – अब जांच की मांग तेज

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया कलेक्ट्रेट इन दिनों किसी सामान्य प्रशासनिक कार्यालय से ज्यादा स्थायी सत्ता केंद्र की तरह चर्चा में है,यहां कुर्सियां बदलती हैं, कलेक्टर बदलते हैं,सरकारें बदलती हैं, आदेश बदलते हैं, लेकिन यदि कुछ नहीं बदलता तो वह है कुछ प्रभावशाली कर्मचारियों की पकड़। और इसी पकड़ का सबसे चर्चित चेहरा इन दिनों प्रतिनियुक्ति पर वर्षों से कार्यरत स्टेनो घनश्याम मिश्रा को माना जा रहा है,स्वतंत्रता दिवस 2024 पर मिले ‘प्रशस्ति पत्र’ ने अब पूरे मामले को और ज्यादा विस्फोटक बना दिया है, जिस कर्मचारी की प्रतिनियुक्ति और भूमिका को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे, उसी कर्मचारी को निष्ठा पूर्वक दायित्वों का निर्वहन करने पर सम्मानित किए जाने से अब कर्मचारियों के बीच नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है, कलेक्ट्रेट के गलियारों में इन दिनों सबसे ज्यादा जो लाइन गूंज रही है, वह है की हम नहीं बदलते... कलेक्टर बदलते रहते हैं! और यही लाइन अब पूरे विवाद का सबसे बड़ा व्यंग्य बन चुकी है।

प्रतिनियुक्ति या स्थायी पोस्टिंग?

सरकारी नियमों में प्रतिनियुक्ति को हमेशा अस्थायी व्यवस्था माना जाता है, जब किसी विभाग में आवश्यकता होती है, तब दूसरे विभाग से कर्मचारी को कुछ समय के लिए भेजा जाता है, लेकिन कोरिया कलेक्ट्रेट में यह व्यवस्था मानो स्थायी शासन मॉडल में बदल चुकी दिखाई देती है, सूत्र बताते हैं कि मत्स्य विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आए स्टेनो घनश्याम मिश्रा वर्षों से कलेक्ट्रेट व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं,इतने वर्षों में उनकी पकड़ सिर्फ फाइलों तक सीमित नहीं रही,बल्कि प्रशासनिक समन्वय,गोपनीय पत्राचार और कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों तक मजबूत प्रभाव बना रहा, अब कर्मचारी पूछ रहे हैं यदि प्रतिनियुक्ति अस्थायी व्यवस्था है,तो फिर यह अस्थायी कर्मचारी वर्षों से स्थायी भूमिका में कैसे बना हुआ है? यह सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इसी दौरान राजस्व विभाग के मूल स्टेनो लगभग व्यवस्था से बाहर दिखाई दिए, जिन कर्मचारियों को विभागीय जिम्मेदारियां मिलनी चाहिए थीं,वे अवसर का इंतजार करते रह गए, जबकि महत्वपूर्ण कार्य लगातार प्रतिनियुक्ति व्यवस्था के इर्द-गिर्द घूमते रहे।

प्रशस्ति पत्र बना विवाद की नई चिंगारी

स्वतंत्रता दिवस 2024 पर जारी प्रशस्ति पत्र में स्टेनो घनश्याम मिश्रा को निष्ठा पूर्वक दायित्वों का निर्वहन करने के लिए सम्मानित किया गया। यहीं से पूरे विवाद ने नया मोड़ ले लिया,

राजस्व विभाग का स्टेनो गायब,लेकिन ‘स्थायी सिस्टम’ सक्रिय

कलेक्ट्रेट कर्मचारियों के बीच सबसे बड़ी चर्चा इस बात को लेकर है कि आखिर राजस्व विभाग के मूल स्टेनो की भूमिका कहां चली गई? यदि विभाग में नियमित कर्मचारी मौजूद थे, तो फिर बाहरी विभाग से आए कर्मचारी पर इतनी निर्भरता क्यों बनी रही? कई कर्मचारियों का आरोप है कि वर्षों से एक ऐसा ‘समानांतर सिस्टम’ विकसित हो गया, जहां फाइलों का रास्ता,अधिकारियों तक पहुंच और गोपनीय जानकारी तक कुछ चुनिंदा लोगों का प्रभाव बना रहा,कलेक्ट्रेट में व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा जा रहा है की यहां पद अस्थायी हैं, लेकिन पकड़ स्थायी है, सूत्रों का दावा है कि कई बार अधिकारी बदलने के बाद भी वास्तविक प्रशासनिक नियंत्रण वही लोग संभालते रहे, जिनकी पकड़ वर्षों से सिस्टम पर बनी हुई थी, यही वजह है कि अब यह मामला सिर्फ एक कर्मचारी का नहीं,बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे की पारदर्शिता का विषय बन चुका है।

कर्मचारियों के बीच अब यह सवाल उठ रहा है कि यदि किसी कर्मचारी की प्रतिनियुक्ति व्यवस्था ही विवादों में रही हो, तो फिर उसी कर्मचारी को उत्कृष्ट कार्य और निष्ठा का प्रमाणपत्र किस आधार पर दिया गया? कलेक्ट्रेट में यह भी चर्चा है कि कई ऐसे कर्मचारी हैं जिन्होंने वर्षों तक जमीनी स्तर पर काम किया, जनता की समस्याएं सुलझाईं, लेकिन वे आज भी किसी पहचान और सम्मान से दूर हैं वहीं दूसरी ओर प्रभावशाली माने जाने वाले कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र मिल गया,यही कारण है कि अब सम्मान चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं, कुछ कर्मचारी व्यंग्य में कह रहे हैं सरकारी सेवा में अब मेहनत नहीं, नेटवर्किंग उत्कृष्टता का नया पैमाना है।

‘निष्ठा’ किसके प्रति? विभाग, नियम या सिस्टम?–सबसे तीखा सवाल अब यही उठ रहा है कि आखिर ‘निष्ठा’ किसके प्रति दिखाई गई? क्या विभागीय नियमों के प्रति? क्या प्रशासनिक पारदर्शिता के प्रति? या फिर उस ‘स्थायी सिस्टम’ के प्रति, जिसने वर्षों तक एक ही व्यवस्था को कायम रखा? सरकारी कार्यालयों में आम कर्मचारी छोटी-सी गलती पर नोटिस और स्पष्टीकरण का सामना करता है, लेकिन यहां मामला बिल्कुल उल्टा दिखाई देता है। जिनकी भूमिका पर सवाल हैं, वही सम्मानित भी हैं, यही वजह है कि कलेक्ट्रेट में अब यह मामला कर्मचारियों की असंतुष्टि से आगे बढ़कर प्रशासनिक विश्वसनीयता का विषय बन गया है।

कलेक्टर बदलते रहे,सिस्टम नहीं बदला– कोरिया कलेक्ट्रेट के अंदर इन दिनों यह लाइन बेहद लोकप्रिय हो चुकी है हम नहीं बदलते...कलेक्टर बदलते रहते हैं, इस एक लाइन में पूरे विवाद का सार छिपा हुआ है, कर्मचारियों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी आते-जाते रहे, लेकिन कुछ प्रभावशाली कर्मचारियों की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा,यही कारण है कि अब यह चर्चा हो रही है कि असली सिस्टम कौन चला रहा था–अधिकारी या वर्षों से जमे कर्मचारी? सूत्र बताते हैं कि महत्वपूर्ण फाइलों से लेकर गोपनीय जानकारियों तक में लंबे समय से कुछ चुनिंदा लोगों की भूमिका बेहद प्रभावशाली रही। इससे विभागीय संतुलन और अवसर दोनों प्रभावित हुए।

विभागीय कर्मचारियों में बढ़ता असंतोष

राजस्व विभाग और अन्य कर्मचारियों के बीच अब असंतोष खुलकर सामने आने लगा है, कई कर्मचारियों का कहना है कि यदि वर्षों पहले प्रतिनियुक्ति व्यवस्था की समीक्षा होती, तो विभागीय कर्मचारियों को भी आगे आने का अवसर मिलता, कुछ कर्मचारियों का आरोप है कि महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हमेशा सीमित लोगों तक ही रखी गई,इससे न केवल अन्य कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित हुआ,बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली में भी असंतुलन पैदा हुआ,व्यंग्यात्मक टिप्पणी यह भी सुनाई दे रही है की यहां ट्रांसफर आम कर्मचारियों का होता है, प्रभावशाली लोग सिर्फ सीट एडजस्ट करते हैं।

संभाग आयुक्त पर टिकी निगाहें...

अब पूरे मामले में सबसे ज्यादा नजर संभाग आयुक्त कार्यालय पर टिकी हुई है। सूत्रों के अनुसार कुछ कर्मचारियों ने मौखिक शिकायतें और असंतोष उच्च स्तर तक पहुंचाया है, अब सवाल उठ रहा है क्या पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी? क्या वर्षों से चली आ रही प्रतिनियुक्ति व्यवस्था की समीक्षा होगी? क्या विभागीय कर्मचारियों को अवसर देने पर विचार होगा? क्या उत्कृष्ट कर्मचारी चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता जांची जाएगी? और सबसे बड़ा सवाल क्या ‘स्थायी स्टेनो सिस्टम’ पर कोई प्रशासनिक कार्रवाई होगी? हालांकि सरकारी गलियारों में इस पर भी व्यंग्य चल रहा है की फाइलें जरूर चलेंगी, बस फैसला पहुंचेगा या नहीं... यह सिस्टम तय करेगा।

सरकारी सिस्टम पर बड़ा प्रश्नचिह्न

यह पूरा मामला अब सिर्फ एक प्रशस्ति पत्र या एक कर्मचारी तक सीमित नहीं रहा, यह उस मानसिकता की तस्वीर बन गया है, जहां सरकारी व्यवस्था धीरे-धीरे व्यक्ति विशेष पर निर्भर होती चली जाती है, जब नियमों से ज्यादा प्रभाव काम करने लगे, जब विभागीय कर्मचारियों से ज्यादा बाहरी प्रतिनियुक्ति व्यवस्था मजबूत हो जाए, जब पुरस्कारों पर भी सवाल उठने लगें–तब यह केवल प्रशासनिक विषय नहीं रह जाता, बल्कि जनता के विश्वास का मामला बन जाता है, आम लोग अब पूछ रहे हैं यदि नियमों के बावजूद वर्षों तक व्यवस्था नहीं बदलती, तो फिर सरकारी नियम आखिर लागू किसके लिए होते हैं?

घटती घटना
कोरिया समाचार
6
कोरिया कलेक्ट्रेट का स्थायी स्टेनो राज
विभाग मत्स्य निगम का, लेकिन नियंत्रण राजस्व विभाग पर?
कलेक्टर कार्यालय कोरिया
सर्वशक्तिमान स्टेनो
हम नहीं बदलते... कलेक्टर बदलते रहते हैं!
मुख्य सवाल यह है...

अब सवाल सिर्फ एक स्टेनो का नहीं, पूरे सिस्टम का है...

कोरिया कलेक्ट्रेट का यह विवाद अब ‘एक कर्मचारी बनाम विभाग’ की कहानी नहीं रह गया, यह उस स्थायी प्रशासनिक संस्कृति की कहानी बनता जा रहा है, जहां कुर्सियां घूमती हैं लेकिन प्रभाव नहीं बदलता, और फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है क्या इस बार भी मामला फाइलों में दब जाएगा? या फिर सचमुच ‘स्थायी स्टेनो राज’ की निष्पक्ष समीक्षा होगी?

व्यापारिक सुरक्षा को लेकर कोरिया पुलिस की विशेष पहल

सराफा बाजारों में पुलिस का सुरक्षा अभियान, व्यापारियों को दिए सतर्कता के जरूरी सुझाव

-संवाददाता-

कोरिया,28 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया पुलिस द्वारा जिले के सराफा बाजारों और प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से विशेष प्रिकॉशनरी अवेयरनेस अभियान चलाया गया, अभियान के तहत बैकुंठपुर, चरचा, पटना और सोनहत थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने सराफा बाजारों, ज्वेलरी दुकानों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया, अभियान अति पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में संचालित किया गया, जिसमें पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों से सीधे संवाद कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की।

व्यापारियों से संवाद कर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक– अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ज्वेलर्स, मेटल स्टोर संचालकों और अन्य व्यापारियों से मुलाकात की,अधिकारियों ने दुकानदारों से कहा कि वे अपनी दुकानों में सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाओं को हमेशा सक्रिय रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, पुलिस टीम ने व्यापारियों की समस्याओं और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को भी समझा तथा भरोसा दिलाया कि पुलिस हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है।

सीसीटीवी और सुरक्षा उपकरणों की जांच– निरीक्षण के दौरान दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की गुणवत्ता, रिकॉर्डिंग क्षमता और कवरेज एंगल की जांच की गई, कई व्यापारियों को कैमरों की स्थिति बेहतर

करने और रिकॉर्डिंग का नियमित बैकअप सुरक्षित रखने की सलाह दी गई, इसके साथ ही पुलिस ने अलार्म सिस्टम, शटर लॉक और अन्य सुरक्षा उपकरणों की स्थिति का भी निरीक्षण किया, अधिकारियों ने कहा कि सभी सुरक्षा उपकरण हमेशा चालू और उपयोग की स्थिति में रहने चाहिए।

संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की अपील– पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों से अपील की कि यदि कोई अज्ञात व्यक्ति बार-बार दुकान के आसपास दिखाई दे, रेकी करता नजर आए या कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तत्काल स्थानीय थाना या डायल सेवा को सूचना दें, समय पर दी गई जानकारी संभावित अपराधों को रोकने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

व्यापारियों ने की पहल की सराहना– अभियान के दौरान व्यापारियों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होने चाहिए। इससे व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ता है और अपराधों की रोकथाम में मदद मिलती है।

शिवनंदनपुर चुनाव में गरमाई सियासत,भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया दबाव और धमकी की राजनीति का आरोप

नगर पंचायत चुनाव के बीच भाजपा का कांग्रेस पर हमला

-संवाददाता-

सूरजपुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)। शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है, भाजपा नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर दबाव और धमकी की राजनीति करने का आरोप लगाया है, भाजपा का कहना है कि कांग्रेस चुनाव में विकास के मुद्दों पर नहीं, बल्कि डर और दबाव की राजनीति के सहारे मैदान में उतर रही है।

भाजपा ने दिया विकास, कांग्रेस ने किया उपेक्षित– भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार ने शिवनंदनपुर को नगर पंचायत का दर्जा देकर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी है, साथ ही नगर पंचायत के विकास के लिए 4.50 करोड़ रुपये की राशि भी स्वीकृत की गई है, भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस वर्षों तक क्षेत्र में सत्ता में रही, लेकिन शिवनंदनपुर विकास से दूर रहा, पार्टी नेताओं ने दावा किया कि डॉ. रमन सिंह सरकार से लेकर वर्तमान सरकार तक क्षेत्र में लगातार विकास कार्य कराए गए हैं।

नरेंद्र जैन मामले को लेकर भाजपा का पलटवार-

भाजपा नेताओं ने कहा कि 24 मई 2026 को भाजपा कार्यकर्ता मित्तल पांडेय के साथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए फरसा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी थी, इस मामले में विश्रामपुर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था, भाजपा का आरोप है कि कार्रवाई से बचने के लिए कांग्रेस ने आंदोलन और धरना देकर पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाया, साथ ही नरेंद्र जैन की पत्नी मधु जैन द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं मुकेश साहू और मित्तल पांडेय के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराने का आरोप भी लगाया गया।

कांग्रेस गुटबाजी से जूझ रही-

प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस अंदरूनी गुटबाजी से परेशान है और अपना राजनीतिक वजूद बचाने के लिए आंदोलन कर रही है, भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भाजपा कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रचार से रोकने और उन्हें डराने का प्रयास कर रही है, भाजपा नेताओं ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच कर झूठी शिकायतों को खारिज किया जाए और गलत रिपोर्ट दर्ज कराने वालों पर कार्रवाई हो।

पूर्व विधायक और मंत्री ने भी साधा निशाना

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व विधायक रजनीश सिंह ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी है, वहीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि शिवनंदनपुर नगर पंचायत भाजपा की देन है और भाजपा ही क्षेत्र का विकास करेगी, इस दौरान भाजपा विधायक भूलन सिंह मरावी, शिवनाथ यादव, बाबूलाल गोयल, अजय गोयल, शशिकांत गर्ग, मुकेश गर्ग और अशोक सिंह सहित कई नेता मौजूद रहे।

गंगा दशहरा पर दुलही तालाब में हुआ भव्य माँ गंगा पूजन और महाआरती का आयोजन....दीपों की रोशनी से जगमगाया दुलही तालाब

-संवाददाता-

सूरजपुर,28 मई 2026 (घटती-घटना)। दुलही तालाब में गंगा दशहरा के पावन पर्व पर मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत माँ गंगा पूजन एवं भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, रंग-बिरंगी रोशनी से सजे तालाब परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शाम होते ही पूरा दुलही तालाब दीपों की रोशनी से जगमगाने लगा और वातावरण धार्मिक आस्था से सराबोर हो उठा।

विधि-विधान से हुआ माँ गंगा का पूजन–कार्यक्रम का आयोजन सरोवर धरोहर सुरक्षा समिति द्वारा किया गया,शाम 7 बजे से बड़ी संख्या में महिलाएं दीपदान के लिए पहुंचीं, धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित राजेश दुबे ‘बबलू महाराज’ एवं पंडित अभिसार दुबे ने विधि-विधान से मोक्षदायिनी माँ गंगा का पूजन और महाआरती कराई, इसके बाद सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन हुआ, जिससे पूरा तालाब परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश– इस आयोजन की खास बात यह रही कि समिति ने विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए आटे से बने दीयों का उपयोग करने की अपील की थी, महिलाओं ने अपने घरों से आटे के दीये बनाकर लाए और दीपदान किया, आयोजन समिति का उद्देश्य था कि पूजा के बाद तालाब में प्रवाहित किए गए आटे के दीये मछलियों के भोजन के रूप में उपयोग हो सकें और तालाब परिसर भी स्वच्छ बना रहे, समिति की इस पहल की लोगों ने सराहना की।

धार्मिक आस्था के साथ संरक्षण का संदेश– दुलही तालाब रंग-बिरंगी मछलियों और धार्मिक आस्था के लिए भी जाना जाता है, प्रतिदिन यहां बड़ी संख्या में लोग मछलियों को दाना खिलाने पहुंचते हैं। सरोवर धरोहर सुरक्षा समिति पिछले पांच वर्षों से गंगा दशहरा पर इस आयोजन के माध्यम से सरोवरों की स्वच्छता,संरक्षण और धार्मिक महत्व के प्रति लोगों को जागरूक कर रही है।

जनसहयोग से सफल हुआ आयोजन– आयोजन को सफल बनाने में समिति अध्यक्ष चंचलेश श्रीवास्तव,पार्षद मुकेश गर्ग,प्यारेलाल साहू,कन्हैया लाल अग्रवाल,डॉ. रजनीश गर्ग, भोला साहू,पूनम गर्ग और स्पर्श श्रीवास्तव सहित समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए।

आमना शरीफ़ ने बताया ईद का इमोशनल मतलब,बोलीं...'परिवार के साथ बिताए पल सबसे कीमती'

एक्ट्रेस आमना शरीफ़ ने ईद के साथ अपने गहरे इमोशनल जुड़ाव के बारे में बात की है। उन्होंने इस त्योहार को एक ऐसा समय बताया जो बचपन की प्यारी यादें ताज़ा कर देता है और अपनों के साथ रिश्तों को मज़बूत बनाता है।अपनी खूबसूरती और यादगार स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जानी जाने वाली आमना ने कहा कि ईद उनके लिए हमेशा से सिर्फ़ एक त्योहार से कहीं ज़्यादा रही है। उन्होंने एक प्रेस नोट में बताया, ईद मुझे हमेशा अपने घर जैसा महसूस कराती है। यह साल का वह एक समय होता है जब सब कुछ धीमा हो जाता है,और जो चीज़ सच में मायने रखती है, वह है अपने परिवार और अपने प्यारे लोगों के साथ होना। मेरे बचपन की कुछ सबसे खूबसूरत यादें ईद से जुड़ी हैं-घर में बन रहे खाने की महक के साथ सुबह उठना, पूरे उत्साह के साथ तैयार होना, रिश्तेदारों से मिलना,और चारों ओर बस एक अपनापन और प्यार महसूस करना। सालों के साथ त्योहारों को लेकर उनकी सोच में आए बदलाव के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि अब उनके लिए बड़ी-बड़ी पार्टियों या दिखावे से ज़्यादा इमोशनल जुड़ाव मायने रखता है।आमना ने आगे कहा, ÷जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आपको एहसास होता है कि त्योहारों में दिखावा कम और उनसे जुड़े इमोशंस ज़्यादा मायने रखते हैं। आज, मेरे लिए सबसे कीमती चीज़ है बस अपने प्यारे लोगों के साथ बैठना,साथ में खाना खाना, साथ में हँसना, और उन पलों के लिए शुक्रगुज़ार होना। आज की भाग-दौड़ भरी ज़िंदगी में ये छोटी-छोटी चीज़ें बहुत कीमती बन जाती हैं। इस एक्ट्रेस के लिए, ईद आज भी शुक्रगुज़ारी, प्यार और इंसानी रिश्तों की निशानी है। हर साल इस त्योहार को खास बनाने वाली बात बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ईद जैसे त्योहार आपको जिंदगी, रिश्तों और अपनों के साथ का एहसास करने और उन्हें सराहने के लिए कुछ पल रुकने की याद दिलाते हैं। प्यार और सुकून का वही एहसास हर साल ईद को मेरे लिए सच में खास बना देता है। प्रोफेशनल फ्रंट पर,आमना शरीफ़ के पास कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं, हालाँकि अभी तक उनकी कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं हुई है।

रजनीकांत ने किया सूर्या की करप्पू का रिव्यू

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत ने अभिनेता सूर्या की लेटेस्ट फिल्म का करप्पू का रिव्यू किया है। मौजूदा समय में अगर कोई फिल्म सिनेमाघरों से लेकर बॉक्स ऑफिस तक धमाल मचा रही है तो उसका नाम करप्पू है। साउथ सुपरस्टार सूर्या और एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की ये लेटेस्ट मूवी ने सही मायनों में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है और कामयाबी हासिल करती हुई आगे बढ़ रही है।

इस बीच साउथ के वेटरन एक्टर रजनीकांत ने भी करप्पू का रिव्यू किया है और फिल्म के निर्देशक आरजे बालाजी को फोन कॉल कर के अपनी प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं कि थलाइवा ने करप्पू को लेकर क्या कहा है।

रजनीकांत ने किया करप्पू का रिव्यू

अक्सर देखा जाता है कि रजनीकांत साउथ फिल्मों को बड़ी गंभीरता से लेते हैं और ज्यादा लेटेस्ट रिलीज को देखते हैं। इसके बाद वह फिल्म किसी बड़े स्टार की हो या फिर छोटे

कलाकार की हो,अगर रजनीकांत को वह पसंद आती है, तो वह उसकी प्रशंसा करने से पीछे नहीं हटते हैं। हाल ही में सूर्या की करप्पू को लेकर भी रजनीकांत की तरफ से ऐस ही कुछ देखने को मिला है, जिसका खुलासा फिल्म के डायरेक्टर ने किया है। हाल ही में करप्पू के डायरेक्टर आरजे बालाजी ने द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बात करते हुए बताया है- जब भी कोई अच्छी फिल्म रिलीज होती है, तो रजनीकांत उसे देखते हैं और फिल्म की टीम को खुद मिलकर या फोन पर बधाई देते हैं। उन्होंने मुझे बधाई देने के लिए फोन किया। अपने खास अंदाज में उन्होंने कहा बालाजी, सुपर...सुपर...सुपर, तुमने कमाल कर दिया। कितनी बड़ी हिट है। हम जल्द ही फिर मिलेंगे। इस तरह से रजनीकांत ने सूर्या की लेटेस्ट फिल्म करप्पू की प्रशंसा में कसीदे पढ़े हैं। ये रजनीकांत का बड़प्पन ही है, जो उन्होंने सूर्या की मूवी की तारीफ की है।

करप्पू का धमाकेदार कलेक्शन

इस महीने की सबसे सफल फिल्म के तौर पर सूर्या की करप्पू का दबदबा बना हुआ है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर करप्पू ने अब तक 180 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है, जबकि वर्ल्ड वाइड ये मूवी 250 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है।

एक शर्त पर रानी मुखर्जी ने सैफ अली खान संग किया था किसिंग सीन

हम तुम के डायरेक्टर ने बताया कि क्यों फिल्म में सैफ अली खान और रानी मुखर्जी का किसिंग सीन सिनेमा का सबसे बुरा किस था।बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और रानी मुखर्जी ने फिल्म हम तुम में साथ काम किया था। इस फिल्म में दोनों के बीच एक किसिंग सीन था जिसे डायरेक्ट ने हिंदी सिनेमा का सबसे खराब किस बताया है। 2004 में रिलीज हुई फिल्म हम तुम में सैफ और रानी लीड रोल में थे। फिल्म का लेखन और निर्देशन कुणाल कोहली ने किया था। इस फिल्म में ऑन-स्क्रीन उनकी जोड़ी खूब पसंद की गई, लेकिन ऑफ-स्क्रीन उनकी बिल्कुल भी नहीं बनती थी। किसिंग सीन के दौरान रानी शूटिंग के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थीं।

रानी-सैफ नहीं करते थे एक-दूसरे को पसंद

फिल्म के डायरेक्टर कुणाल कोहली ने 22 साल बाद हम तुम के सेट का किस्सा शेयर किया है। उन्होंने बताया कि रानी और सैफ एक-दूसरे को पसंद नहीं करते थे, जिसकी वजह से शूटिंग में दिक्कतें आ रही थीं।

बातचीत में डायरेक्टर ने बताया वे एक-दूसरे को ऑफ-स्क्रीन खास पसंद नहीं करते थे। शूट का पहला हाफ ऐसा लगा कि मैं और रानी एक टीम में हैं और सैफ अकेले हैं। सैफ और मैं एक-दूसरे को पसंद नहीं करते थे और सैफ-पानी एक-दूसरे को पसंद नहीं करते थे। फिर सैफ और मैंने एम्स्टर्डम शेड्यूल के दौरान बात की। मैंने कहा,सुनो,यह फिल्म बहुत अहम है। अगर यह काम नहीं करती है, तो आप सोलो हीरो नहीं बन पाएंगे। आप केवल कल हो ना हो की तरह शाह रुख खान के साथ सेकेंड लीड कर रहे होंगे।

रानी-सैफ के किसिंग सीन के पीछे थी एक शर्त

डायरेक्टर की चेतावनी के बाद सैफ अली खान की आंख खुली और उन्होंने फिल्म की बची हुई शूटिंग अच्छे से की। फिर पेंच फंसा उनके और रानी मुखर्जी-सेफ के किसिंग सीन पर। सांसों को सांसों में गाने में दोनों के किस को डायरेक्टर ने सबसे बेकार बताया। उन्होंने कहा, हम पूरी रात शूटिंग कर रहे थे। पहले तो उन्होंने (रानी) कहा कि वह किस नहीं करेंगी। आखिर में उन्होंने हामी भरी और कहा मैं एक टेक करूंगी। अगर आप वह टेक देखें, तो असल में वह हंस रही है।

डायरेक्टर ने जब स्क्रीन पर उन्हें हंसते हुए देखा तो वह हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि यह हिंदी सिनेमा के सबसे खराब किस में से एक जरूर होगा।

पूजा भट्ट ने बॉबी देओल के साथ अपने रिलेशनशिप को बताया मैजिकल, बोलींउनसे प्यार न करने का कोई कारण

पूजा भट्ट ने हाल ही में विक्की लालवानी के साथ बातचीत में अभिनेता बॉबी देओल के साथ अपने पुराने रिश्ते को जादुई समय बताया। उन्होंने कहा कि वे अलग-अलग राहों पर चल पड़े,लेकिन बॉबी के एनिमल में अभिनय की तारीफ की। बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल की शादी को करीब 30 साल हो चुके हैं। हालांकि,तान्या से शादी से पहले बॉबी अभिनेत्री-निर्माता पूजा भट्ट के साथ रिलेशनशिप में थे।विक्की लालवानी के साथ हाल ही में हुई बातचीत में पूजा ने बॉबी के साथ अपने रिश्ते को अपनी लाइफ का मैजिकल टाइम बताया। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि वे आखिरकार अलग क्यों हो गए।

सपोर्टिव नहीं था पूजा भट्ट का ब्वॉयफ्रेंड

अपनी पहली फिल्म डैडी के बाद महेश भट्ट की आशिकी ठुकराने के बारे में बात करते हुए, पूजा ने बताया कि उन्हें अभिनय को करियर के रूप में अपनाने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। एक्ट्रेस ने बताया कि उस समय उनका जो ब्वॉयफ्रेंड था वो उतना सपोर्टिव नहीं था। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बॉबी देओल की बात कर रही हैं,तो पूजा ने स्पष्ट किया कि उनकी मुलाकात बॉबी से काफी बाद में हुई थी।उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें बॉबी से प्यार हो गया था। पूजा ने आगे कहा, उनसे प्यार न करने का क्या कारण था? लेकिन हम दोनों अलग-अलग राहों पर चल पड़े। वह मेरी लाइफ का मैजिकल टाइम था,और उनके साथ समय बिताना एक अद्भुत अनुभव था।

पूजा ने की बॉबी की फिल्म की तारीफ

लेकिन मुझे नहीं लगता कि आज बैठकर उनके साथ अपने रिश्ते के खत्म होने के कारणों पर चर्चा करना उचित है। जो हुआ सो हुआ। हमने कभी इस बात को नकारा नहीं। आज वह शादीशुदा हैं,बड़े हो चुके बच्चों के पिता हैं, और अपने करियर में एक शानदार नई ऊंचाई का आनंद ले रहे हैं। मुझे एनिमल में उनका अभिनय बहुत पसंद आया। मेरे लिए,उन्होंने ही उस फिल्म को यादगार बनाया। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं। बॉबी ने 1996 में तान्या से शादी की। कपल के दो बेटे, आर्यमन देओल और धर्म देओल हैं। वहीं, पूजा ने 2003 में मनीष मखीजा से शादी की थी। हालांकि,11 साल बाद दोनों अलग हो गए।

जूनियर एनटीआर के पैरों में गिरा फैन,एक्टर का रिएक्शन वायरल

टॉलीवुड स्टार जूनियर एनटीआर ने अपने दादा और महान नेता एन. टी. रामा राव की 103वीं जयंती पर उन्हें दिल से श्रद्धांजलि दी। एक्टर हैदराबाद में एनटीआर घाट गए और फैंस, सपोर्टर्स और पार्टी वर्कर्स की मौजूदगी में उन्हें श्रद्धांजलि दी। एनटीआर गारू के लिए जूनियर एनटीआर का इमोशनल मैसेज जूनियर एनटीआर ने तेलुगु सिनेमा और पॉलिटिक्स में एनटीआर गारू के योगदान को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। उन्होंने अपने दादा को हमेशा प्रेरणा देने वाला बताया, जिनकी विरासत तेलुगु लोगों के दिलों में ज़िंदा है। सोशल मीडिया पर फैंस ने महान नेता को प्यार और सम्मान देने के लिए एक्टर की तारीफ़ की। कई यूज़र्स ने तेलुगु कल्चर और समाज पर एनटीआर गारू के असर को याद करते हुए पुरानी यादें,फ़ोटो और इमोशनल मैसेज शेयर किए।

खेल समाचार

25,30 या 33 करोड़,कितने के बिकेंगे वैभव सूर्यवंशी?

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में बवाल काटा हुआ है...लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर सूर्यवंशी आईपीएल ऑक्शन की टेबल पर उतरे तो उन्हें कितनी कीमत मिलेगी...

नई दिल्ली,28 मई 2026। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी कमाल की फॉर्म में हैं। सूर्यवंशी ने इस सीजन 15 मैचों में 680 रन बनाए हैं और सीजन की ऑरेंज कैप भी उन्हीं के पास है। हाल ही में आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव ने 29 गेंदों पर 97 रन की पारी खेली। जिसके बाद लगातार ये कयास लगाए जा रहे हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी ऑक्शन की टेबल पर कभी आए तो उन्हें कितनी रकम मिलेगी। इसी बीच दिग्गज भारतीय बल्लेबाज और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने एक बड़ा बयान दिया है।

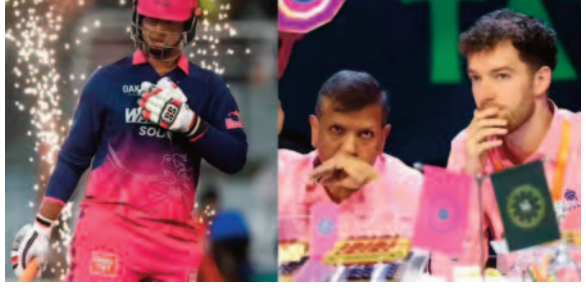

वैभव सूर्यवंशी कभी ऑक्शन टेबल पर उतरेंगे?

वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा, वैभव सूर्यवंशी अगर आईपीएल ऑक्शन के टेबल पर आ गए तो भाई कितने के बिकेंगे? वैसे राजस्थान रॉयल्स उन्हें अपने पास रखने के लिए सब कुछ करेगी और उनके ऑक्शन में आने का कोई चांस ही नहीं है। पर अगर यह हमारा बच्चा आ जाता है ना तो वह आईपीएल के इतिहास का सबसे महंगा खिलाड़ी हो सकता है। इसमें कोई डाउट ही नहीं है।

30 या 33 करोड़ में बिकेंगे?

खिलाड़ियों की भारी कीमत पर बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, ऋषभ पंत 27 करोड़ में बिके थे, यह 30 करोड़ में जाएगा। मतलब 30 करोड़ तो टीमें साइड में करके बैठेंगी और हो सकता है कोई टीम और डेयरडेविल बने,जो 33 करोड़ तक दे दे। वो सारे रिकॉर्ड तोड़ देंगा। तो भैया वैभव सूर्यवंशी 30, 32, 33 करोड़... मुझे नहीं पता,यह तो टोटल पर्स पर डिपेंड करता है। अगर 200 करोड़ का पर्स होगा तो पता नहीं कितने मिल जाएं हो सकता है 50 करोड़ मिल जाएं।

इन अनकैप्ड खिलाड़ियों पर भी कही बात

वैभव के अलावा अन्य अनकैप्ड खिलाड़ियों की चर्चा करते हुए उन्होंने साकिब हुसैन और प्रियांश आर्य का जिक्र किया और कहा, साकिब हुसैन बहुत अच्छी गेंदबाजी की है ये कितने के बिक सकते हैं? मैं बड़े ऑक्शन की तरफ देख रहा हूं, छोटे ऑक्शन में ये भी नहीं आएंगे। बड़े ऑक्शन में अगर ये आते हैं तो 8-9 करोड़ के इर्द-गिर्द ये भी चले जाएंगे क्योंकि खिलाड़ी बहुत तगड़ा है। वहीं प्रियांश आर्य को दो सीजन हमने देख लिया है यह सीजन उतना अच्छा नहीं था पर फिर भी वो 8 से 10 करोड़ का खिलाड़ी होना चाहिए क्योंकि बैटिंग बहुत कमाल की करता है।

रोड टू यूएफसी में भारतीय फाइटर चुंगरेंग कोरेन की बड़ी जीत

एरिना,28 मई 2026। चुंगरेंग कोरेन ने चीन में आयोजित रोड टू यूएफ्सी सीज़न 5 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बैंटमवेट कैटेगरी के इस मुकाबले में उन्होंने पहले से अजेय रहे जापानी फाइटर रयुहो मियागुची को दूसरे राउंड में सबमिशन से हराकर बड़ा उलटफेर किया। यह मुकाबला मकाऊ स्थित गैलेक्सी एरिना में खेला गया,जहां दर्शकों के सामने भारतीय फाइटर ने अपनी तकनीक और आक्रामक रणनीति से सभी को प्रभावित किया। कोरेन ने यह फाइट कम समय में स्वीकार की थी, लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी और आत्मविश्वास के दम पर इवेंट में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन में से एक पेश किया। उनकी जीत ने न केवल उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचाया,बल्कि मियागुची के प्रोफेशनल एमएमए करियर में पहली हार भी दर्ज कराई। मुकाबले के दौरान कोरेन ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और दूसरे राउंड में निर्णायक सबमिशन लगाकर जीत अपने नाम कर ली। उनकी तकनीकी पकड़ और ग्राउंड गेम ने जापानी फाइटर को वापसी का मौका नहीं दिया। जीत के बाद कोरेन ने भावनात्मक अंदाज में भगवान का आभार जताया और फिर भरे एरिना में भारत माता की जय का नारा लगाया,जिससे दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ गया। रोड टू यूएफसी सीजन 5 को यूएफसी में जगह बनाने का अहम मंच माना जाता है,जहां दुनिया भर के उभरते फाइटर्स अपना दमखम दिखाते हैं। इस मंच पर कोरेन की यह जीत भारतीय एमएमए के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। स्पोर्ट्स एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस जीत से कोरेन की संभावनाएं और मजबूत हुई हैं और अगर वह इसी फॉर्म को बनाए रखते हैं तो यूएफसी में जगह बनाना उनके लिए आसान हो सकता है। भारतीय फैंस के बीच भी उनकी इस जीत को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है,और सोशल मीडिया पर उन्हें लगातार बधाइयां दी जा रही हैं।

बीसीसीआई ने 2026 महिला टी 20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली,28 मई 2026। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने शनिवार 2026 के लिए महिला टी 20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। उम्मीद के मुताबिक टीम की कमान हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है,जबकि उप-कप्तान की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना को दी गई है। चयनित टीम में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का संतुलन देखने को मिला है। टीम में आक्रामक बल्लेबाजों और ऑलराउंडर्स को खास प्राथमिकता दी गई है। जेमिमा रोड्रिग्स,शैफाली वर्मा और विकेटकीपर ऋचा घोष जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया गया है, जिनसे टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। इसके अलावा दीप्ति शर्मा, राधा यादव और रेणुका सिंह ठाकुर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर भी टीम प्रबंधन ने भरोसा जताया है।

सुमित अंतिल ने एफ 64 जेवलिन में फिर रचा इतिहास

नई दिल्ली,28 मई 2026। भारत के स्टार पैरा एथलीट और दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए एफ 64 जेवलिन थ्रो में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। उन्होंने इंडियन ओपन इंटरनेशनल पैरा चैंपियनशिप के दूसरे दिन 74.82 मीटर का थ्रो कर अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह उपलब्धि श्री कांतीरवा स्टेडियम में हासिल की गई,जहां सुमित ने एक बार फिर साबित किया कि यह मैदान उनके लिए बेहद खास रहा है। यह प्रतियोगिता आगामी पैरा एशियाड के लिए फाइनल ट्रायल भी थी, जिससे उनके प्रदर्शन का महत्व और बढ़ गया। 27 वर्षीय सुमित अंतिल ने 17 साल की उम्र में एक बाइक दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था, लेकिन इसके बावजूद

उन्होंने खेल की दुनिया में असाधारण वापसी की और लगातार नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ 73.29 मीटर था,जिसे उन्होंने 2023 में पैरा एशियन गेम्स के दौरान बनाया था। अपने नए रिकॉर्ड के बाद सुमित ने कहा कि बेंगलुरु उनके लिए हमेशा लकी रहा है और उन्होंने यहां बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ ही प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को मिल रही नई गति

पर्यटन के जरिए नई पहचान गढ़ेगा छत्तीसगढ़ : सीएम साय

रायपुर,28 मई 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अब देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी नई पहचान गढ़ने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने, निवेश अनुकूल नीतियों और राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपने निवास कार्यालय में पर्यटन को बढ़ावा देने, पर्यटक सुविधाओं के विकास एवं विस्तार तथा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में शामिल हुए। बैठक में देश की प्रतिष्ठित इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ उत्तर से दक्षिण तक नैसर्गिक विरासत की अमूल्य धरा है, जहां नदियां, पहाड़, घने जंगल, जलप्रपात, समृद्ध आदिवासी संस्कृति और

जनजातीय परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दुनिया को छत्तीसगढ़ की वास्तविक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और प्राकृतिक विविधता से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं और पर्यटकों के लिए बेहतर ठहराव,परिवहन तथा आधुनिक सुविधाओं के विकास के माध्यम से छत्तीसगढ़ को आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य में लगातार निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं और इसी क्रम में इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड द्वारा छत्तीसगढ़ में निवेश की इच्छा जताई गई है, जो प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के निवेश से पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। बैठक के दौरान इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष अपने निवेश प्रस्ताव के महत्वपूर्ण बिंदु साझा किए और बताया कि कंपनी छत्तीसगढ़ में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में लगभग 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश की योजना पर कार्य कर रही है, जिसे शीघ्र आगे बढ़ाया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस निवेश से प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है तथा सभी आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है। बैठक में यह भी बताया गया कि पर्यटन को उद्योग का दर्जा मिलने के बाद हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में निवेश के रास्ते व्यापक रूप से खुले हैं। राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को आधुनिक अधोसंरचना, उच्चस्तरीय सुविधाओं और निवेश प्रोत्साहन नीतियों के माध्यम से विकसित करने की दिशा में विशेष पहल कर रही है। प्रदेश की बेहतर मानसूनी परिस्थितियां, समृद्ध प्राकृतिक संपदा और निवेश अनुकूल नीति पर्यटन विकास के लिए मजबूत आधार तैयार कर रही हैं। बैठक में उद्योग विभाग के अधिकारियों ने निवेश प्रोत्साहन नीति तथा उपलब्ध इंसेंटिव्स की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यदि कोई निवेशक 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करता है अथवा 1000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है, तो उसे 'बी-स्पोक पॉलिसी' के तहत अतिरिक्त प्रोत्साहन एवं विशेष लाभ प्रदान किए जाएंगे। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना, सड़क संपर्क, आवासीय सुविधाओं तथा पर्यटक सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, वित्त सचिव डॉ. रोहित यादव, निवेश आयुक्त ऋतु सेन, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, उद्योग सचिव रजत कुमार, पर्यटन विभाग सचिव डॉ. एस. भारतीदासन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रदेश अध्यक्ष समेत 220 पदाधिकारियों ने छोड़ी शेखावत की करणी-सेना

राजपूत करणी सेना में हुए शामिल, तोमर का साथ देने पर उपजा था वैचारिक मतभेद

रायपुर,28 मई 2026। छत्तीसगढ़ में राजपूत समाज की राजनीति और संगठनात्मक गतिविधियों में बड़ा बदलाव हुआ है। डॉ. राज शेखावत की क्षत्रिय करणी सेना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह समेत प्रदेश के 220 पदाधिकारी राजपूत करणी सेना (कालवी विचारधारा) में शामिल हो गए हैं। दरअसल, तोमर बंधुओं के मामले जो कुछ घटा उसके बाद से डॉ. शेखावत का प्रदेश के अन्य पदाधिकारियों के साथ वैचारिक मतभेद उपज गया था। कई दौर की मीटिंग के बाद भी चीजें सुलझ नहीं पाई। अभिषेक कुमार सिंह को अब राजपूत करणी सेना का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। शेखावत वाली क्षत्रिय करणी सेना ने सूदघोर तोमर बंधुओं के सपोर्ट में चरणबद्ध आंदोलन किया था। इस पूरे आंदोलन को तब संगठन की प्रदेश में कमान संभाल रहे अभिषेक सिंह ने ग्राउंड लेवल पर संभाला था। पूरे घटनाक्रम के दौरान तोमर बंधुओं का साथ देने के लिए शेखावत को छत्तीसगढ़ क्रांति सेना

का विरोध झेलना पड़ा। सोशल मीडिया पर भी सूदघोर बंधुओं का साथ देने पर नेगेटिव कमेंट्स अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर यूजर्स ने किए। कुल मिलाकर इस पूरे इंसीडेंट ने क्षत्रिय करणी सेना के छवि को छत्तीसगढ़ में बड़ा नुकसान पहुंचाया। इसके बाद से ही प्रदेश में वैचारिक दृष्टिकोण से क्षत्रिय करणी सेना दो गुटों में बट गई थी। इसके बाद अभिषेक और उनकी टीम ने डॉ. राज शेखावत की क्षत्रिय करणी सेना संगठन से अपनी पूरी टीम के साथ इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी के साथ वे समाजहित के मुद्दों पर और मजबूती से काम करेंगे।

दीपक बैज बोले-ढाई साल में ही क्रूर-अत्याचारी हुई सरकार

लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश,सूरजपुर में 30 घंटे अनशन के सामने झुकी सरकार

रायपुर,28 मई 2026। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर लोकतंत्र को कुचलने और विपक्षी कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि ढाई साल के शासनकाल में ही साय सरकार क्रूर और अत्याचारी बन गई है। प्रदेश में विकास कार्य और जनकल्याणकारी योजनाएं ठप्प हैं, जबकि कानून व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। रायपुर, बिलासपुर, जशपुर, कवर्धा और कई जिलों में लगातार गोलीबारी,हत्या और चाकूबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं।

उपचुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही

भाजपा : दीपक बैज ने कहा कि, नगरीय निकाय और पंचायत उपचुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर चुनाव प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सूरजपुर जिले के शिवनंदनपुर नगर पंचायत चुनाव में कांग्रेस के चुनाव संचालक और जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नरेंद्र जैन के खिलाफ आर्म्स एक्ट का झूठा मामला दर्ज किया गया। बैज ने कहा कि इसके विरोध में उन्होंने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ धरना दिया और बाद में आमरण अनशन शुरू किया।

उन्होंने दावा किया कि 30 घंटे बाद सरकार और प्रशासन को झुकना पड़ा और कांग्रेस की मांगें मानी गईं। इस आंदोलन में पूर्व मुख्मंत्री भूपेश बघेल और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव भी शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि, भाजपा को चुनाव हारने का डर सताने लगा है, इसलिए सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जहां भी लोकतंत्र का दमन होगा,कांग्रेस उसका डटकर मुकाबला करेगी।

प्रदेश में लगातार हो रहे अपराध

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रायपुर, बिलासपुर,जशपुर,कवर्धा और अन्य जिलों में लगातार गोलीबारी,हत्या और चाकूबाजी की घटनाएं सामने आ रही हैं। राजधानी रायपुर में गैंगवार, बमबाजी और खुलेआम अपराध हो रहे हैं,लेकिन सरकार अपराध रोकने के बजाय विपक्ष को दबाने में लगी हुई है। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेता राजेंद्र तिवारी,विकास उपाध्याय,सीमा वर्मा, धनंजय सिंह ठाकुर,सुरेंद्र वर्मा और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

रायपुर एयरपोर्ट पर इबोला अलर्ट,विदेश से आने वाले यात्रियों की शुरू हुई सख्त जांच

रायपुर,28 मई 2026। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर इबोला वायरस को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने विदेशों और दूसरे राज्यों से आने वाले यात्रियों की जांच के लिए विशेष स्क्रीनिंग काउंटर शुरू कर दिया है। एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले हर मुसाफिर पर नजर रखी जा रही है और

स्क्रीनिंग मशीन के जरिए स्वास्थ्य जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह पूरी तैयारी एहतियात के तौर पर की जा रही है। फिलहाल छत्तीसगढ़ या देश में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन सरकार किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती। एयरपोर्ट पर 100 प्रतिशत स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी गई है और इसके लिए एक नोडल अधिकारी की भी नियुक्ति की गई है। सूत्रों के मुताबिक, यदि किसी यात्री में इबोला के लक्षण दिखाई देते हैं या संदिग्ध स्थिति बनती है, तो उसे तुरंत आइसोलेशन वार्ड में भेजने की व्यवस्था की गई है। नया रायपुर और माना क्षेत्र के अस्पतालों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। दरअसल, अफ्रीकी देशों कांगो और युगांडा में इबोला वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने इसे अंतरराष्ट्रीय आपात स्थिति घोषित किया है। इसके बाद भारत सहित कई देशों ने सतर्कता बढ़ा दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी कहा है कि फिलहाल भारत में घबराने जैसी कोई स्थिति नहीं है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक इबोला एक बेहद खतरनाक और जानलेवा वायरस है, जो संक्रमित व्यक्ति या जानवर के खून और शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क में आने से फैलता है। इसके लक्षण 2 से 21 दिनों के भीतर दिखाई दे सकते हैं।

बस्तर में कांग्रेस को लगा बड़ा झटका,महिला नेताओं ने अचानक थामा भाजपा का दामन!

रायपुर,28 मई 2026। बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर आ रही है। यहा कांग्रेस पार्टी को एक बहुत बड़ा झटका लगा है। पार्टी के भीतर लंबे समय से काम कर रही महिला महामंत्री कमल झज ने अचानक अपने पद से

इस्तीफा दे दिया। बात सिर्फ यहीं नहीं रुकी। इस्तीफा देने के तुरंत बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। उनके साथ कांग्रेस की एक और कद्दावर नेता और पूर्व महामंत्री अम्मा जी राव ने भी अपने भारी समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश कर लिया। इस बड़े फेरबदल से जगदलपुर की राजनीति में अचानक गरमाहट आ गई है। जगदलपुर के स्थानीय भाजपा दफ्तर में इस जॉइनिंग के लिए एक बड़ा कार्यक्रम रखा गया था। मंच पर खुद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव मौजूद रहे। कांग्रेस छोड़कर आई दोनों बड़ी महिला नेताओं के साथ करीब 14 अन्य महिला कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ली। पार्टी दफ्तर में बस्तर के पारंपरिक अंदाज में सभी का स्वागत हुआ। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने खुद सभी को भाजपा का भगवा गमछा पहनाया और फूल माला देकर पार्टी में शामिल किया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि स्थानीय स्तर पर गुटबाजी से तंग आकर महिला नेताओं ने यह कदम उठाया। सूत्रों के हवाले से खबर है कि सिरहा चौक और संजय बाजार इलाके के कांग्रेसी हलकों में इस इस्तीफे के बाद से सन्नाटा पसरा हुआ है। पार्टी छोड़ने वाली नेताओं का कहना है कि वे संगठन के भीतर उपेक्षा से परेशान थीं। भाजपा में शामिल होने के बाद अब इन नेताओं की कोशिश बस्तर के ग्रामीण इलाकों में भाजपा की पकड़ को और मजबूत करने की होगी।

बलौदाबाजार हिंसा...भीड़ को उकसाकर 14 करोड़ का नुकसान कराया

अमित बघेल समेत 3 की जमानत खारिज,हाईकोर्ट बोला- ऐसे अपराध पर बेल नहीं

बिलासपुर,28 मई 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास ने बलौदाबाजार हिंसा केस पर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने 7-8 हजार लोगों की भीड़ को भड़काकर 13 से 14 करोड़ रुपए की सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। साथ ही पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला भी कराया गया। कोर्ट ने कहा कि समाज में शांति और कानून व्यवस्था को पूरी तरह बिगाड़ने वाले ऐसे गंभीर अपराध में आरोपियों को जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। इसी के साथ हाईकोर्ट ने बवाल, पथराव और कलेक्ट्रेट परिसर में आगजनी के मामले में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के संस्थापक अमित बघेल समेत 3 आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी है।

भड़काऊ भाषण के बाद हिंसक हुई थी भीड़ : बलौदाबाजार के दशहरा मैदान में 10 जून 2024 को एक सामाजिक मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था, जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। आरोप है कि वहां छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के पदाधिकारियों ने मंच से भड़काऊ भाषण देकर भीड़ को उग्र कर दिया। इसके बाद हिंसक हुई भीड़ ने बैरिकेड्स तोड़ते हुए कलेक्टोरेट और एसपी कार्यालय परिसर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की। सैकड़ों वाहनों में आग लगा दी गई और कलेक्टोरेट भवन को भी आग के हवाले कर दिया गया।

अमित बघेल बोले- घटना के वक्त मौजूद नहीं थे

सुनवाई के दौरान अमित बघेल के वकील ने तर्क दिया कि, 10 जून को बलौदाबाजार में हिंसा के समय दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच वे अपनी पत्नी ईश्वरी बघेल के साथ रजिस्ट्रार कार्यालय में मौजूद थे। वकील ने बताया कि उस दौरान संजय कुमार सोनी के पक्ष में रजिस्ट्री की प्रक्रिया चल रही थी। हालांकि हाईकोर्ट ने इस दावे को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पेश दस्तावेजों में ऐसा कोई पुख्ता प्रमाण नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि घटना के समय अमित बघेल रजिस्ट्रार कार्यालय में मौजूद थे।

आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर जमानत का विरोध

सुनवाई के दौरान आरोपियों की ओर से कहा गया कि सह-आरोपी नोविल कुमार नवरंग को महज दो महीने चार दिन जेल में रहने के बाद जमानत मिल चुकी है, इसलिए उन्हें भी राहत दी जानी चाहिए। इस पर राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने आपति जताते हुए आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड कोर्ट के सामने रखा। रिकॉर्ड के मुताबिक, अमित बघेल के खिलाफ पहले से 17 आपराधिक मामले, अजय यादव के खिलाफ 13 मामले और दिनेश कुमार वर्मा के खिलाफ एक मामला दर्ज है।

चलती कार की छत पर बैठकर युवती ने बनाई रील,वीडियो वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस...

बिलासपुर,28 मई 2026। सोशल मीडिया पर वायरल होने और रील बनाने की होड़ अब लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी है। बिलासपुर में चलती कार की छत पर युवती को बैठाकर स्टंटबाजी करने का मामला सामने आया है। इस खतरनाक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। मामला थाना कोनी क्षेत्र का है, जहां तुर्काडीह-सकरी बाईपास रोड पर देर रात एक आर्टिका कार में खतरनाक स्टंट किया गया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार कार की छत पर एक युवती बैठी हुई है, जबकि चालक सड़क पर लापरवाहीपूर्वक वाहन दौड़ा रहा है। इस दौरान युवती रील बनाती नजर आ रही है। स्टंट के दौरान न केवल युवती की जान खतरे में थी, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा भी दांव पर लग गई थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी धर्मेंद्र सूर्यवंशी, निवासी सेंदरी ने थाना कोनी पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि 24 मई 2026 की रात लगभग 11:10 बजे से 25 मई की रात 12:30

बजे के बीच मौहारपारा-निरतू रतनपुर रायपुर रोड पर आर्टिका कार क्रमांक CG 10 CD 1416 का चालक तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चला रहा था। रिपोर्ट में बताया गया कि चालक ने कार की छत पर एक युवती को बैठाकर स्टंट किया, जिससे गंभीर हादसे की आशंका बन गई थी। शिकायत के आधार पर थाना कोनी में अपराध क्रमांक 263/2026 के तहत धारा 281 बीएनएस एवं 184 मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और आरोपी चालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया रील के लिए बढ़ रहा जानलेवा ट्रेंड

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आजकल सोशल मीडिया पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए युवा खतरनाक स्टंट कर रहे हैं।सार्वजनिक सड़कों पर इस तरह की हरकतें न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि गंभीर दुर्घटनाओं को भी न्योता देती हैं। बिलासपुर पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि सड़क पर किसी भी प्रकार की स्टंटबाजी, तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी न करें। थोड़ी सी लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना और जानलेवा हादसे का कारण बन सकती है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला...

बूथ में घुसकर तोड़फोड़ करने वाले आरोपी की याचिका खारिज,बरकरार रहेगी एफआईआर

बिलासपुर,28 मई 2026। पोलिंग बूथ में घुसकर तोड़फोड़ करने व चुनाव सामग्री लूटने का प्रयास करने पर प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट 1984 के सेक्शन 3 और छत्तीसगढ़ - डैमेज टू पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट 1984 के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। इस एफआईआर को रद्द कराने हाईकोर्ट में पेश याचिका अवकाशकालीन डीबी ने खारिज कर दी है। दरअसल, 5 मार्च 2025 को बलरामपुर जिला के रामचंद्रपुर में पंचायत चुनाव के दौरान बूथ नंबर 115 गांव आरोपी मोहम्मद बक्स 100-150 लोगों के साथ वहां आया, और पोलिंग बूथ सेंटर में घुसकर गालियां देते हुए बूथ सेंटर के दो ताले तोड़ दिए, चुनाव का सामान छीनने की कोशिश कर चुनाव ड्यूटी पर मौजूद दूसरे सरकारी अधिकारियों की ऑफिशियल ड्यूटी में रुकावट डाली। पोलिंग बूथ अधिकारी खिलेश्वर राम की शिकायत पर पुलिस ने जांच बाद आरोपी मोहम्मद बक्स सहित अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया। जिसे रद्द करने हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी।

बिलासपुर में बिना लाइसेंस के कोल डिपो का संचालन...1500 टन कोयला जब्त,जेसीबी-हाईवा छोड़ भागे ड्राइवर और ऑपरेटर,अवैध कोल डिपो सील

बिलासपुर,28 मई 2026। बिलासपुर में रेत के अवैध कारोबार के बाद जिला प्रशासन ने कोयले के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को खनिज विभाग ने बिना लाइसेंस के संचालित मेसर्स कश्यप कोल डिपो में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान करीब 1500 मीट्रिक टन कोयला, एक ट्रेलर और एक लोडर मशीन जब्त की भी की गई। साथ ही कोल डिपो को सील कर दिया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने कोल डिपो संचालकों की बैठक लेकर साफ चेतावनी दी थी कि गड़बड़ी मिली तो सीधे कार्रवाई होगी। बैठक खत्म होने के कुछ घंटे बाद ही खनिज विभाग ने अवैध कोयला कारोबार पर अब सख्ती शुरू कर दी है। रतनपुर इलाके के ग्राम लिम्हा स्थित मेसर्स कश्यप कोल डिपो पर खनिज विभाग ने छापेमारी की। जांच में पता चला कि डिपो का भंडारण लाइसेंस खत्म हो चुका था, इसके बावजूद वहां कोयले का कारोबार चल रहा था। इस दौरान मौके पर खड़ी मशीनों को भी सील कर दिया गया। इसी दौरान शासकीय जमीन पर बिना अनुमति खनिज उत्खनन करते हुए 2 जेसीबी मशीनें भी पकड़ी गईं। कार्रवाई देख 2 हाईवा के चालक और जेसीबी ऑपरेटर गाड़ी छोड़कर भाग निकले, जिसके बाद विभाग ने वाहनों को मौके पर ही सील कर दिया।

जब्त ट्रेलर और दोनों जेसीबी मशीनों को रतनपुर थाना की अभिरक्षा में रखा गया है, जबकि लोडर और हाईवा को मौके पर ही सील किया गया।

खनिज विभाग ने पचपेड़ी, लावर और मस्तूरी इलाके में भी संयुक्त जांच अभियान चलाया। इस दौरान पचपेड़ी में अवैध चूना पत्थर परिवहन करते एक हाईवा को पकड़ा गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)